छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 07 ■ अंक - 49 ■ बैकुंठपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कांग्रेस का 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान हुआ तेज

19 मंडलों में चौपाल, सिंहदेव बोले-वोटर कार्ड को नागरिकता से जोड़ रही भाजपा

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। चुनाव आयोग की कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस के अखिल भारतीय अभियान 'वोट बचाओ देश बचाओ' के तहत गुरूवार को सरगुजा जिले में कांग्रेस ने बड़ी ताकत दिखाई। जिले के विभिन्न संगठनिक ब्लॉकों के 19 मंडलों में एक साथ मंडल स्तरीय चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, एआईसीसी द्वारा नियुक्त सरगुजा प्रभारी देवाशीष पटनायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक रामदेव राम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, प्रदेश महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह और पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता समेत सभी बड़े नेता मौजूद रहे। दरिमा ब्लॉक के करजी मंडल के



ग्राम बेलटिकरा में आयोजित चौपाल को संबोधित करते हुए एआईसीसी प्रभारी देवाशीष पटनायक ने बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा- 'सरगुजा में कांग्रेस का संगठन हर वैध मतदाता के अधिकार की रक्षा कर रहा है, चाहे वह किसी भी दल को वोट देता हो। लेकिन हर नागरिक को सतर्क रहना होगा, कहीं गृहमंत्री अमित शाह के षड्यंत्र में फंस कर आप वैध मतदाता से घुसपैठिया घोषित न हो जाएं।' पटनायक ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार चुनाव आयुक्त के साथ मिलकर हर उस मतदाता को वोट के अधिकार से वंचित कर रही है, जो भाजपा का समर्थक नहीं है।

वहीं अंबिकापुर के विभिन्न मंडलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि भाजपा सरकार वोटर कार्ड को नागरिकता का आधार बनाने की कोशिश कर रही है और राशन, आयुष्मान और जमीन के पट्टे जैसी योजनाओं को इससे जोड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का बयान इसकी पुष्टि करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि हर आम नागरिक को यह देखना होगा कि उसका और उसके पड़ोसी का नाम, जो सरगुजा के वैध निवासी हैं, मतदाता सूची में है या नहीं। साथ ही यह भी ध्यान देना है कि कहीं किसी गैर-निवासी व्यक्ति का नाम एक दल विशेष के चुनावी फायदे के लिए सूची में तो नहीं जोड़ दिया गया है।

नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी का सरगुजा दौरा 16 से

इसी बीच छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत के दौरे का कार्यक्रम भी जारी हो गया है। वे 15 नवंबर से छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। 16 नवंबर को वे सरगुजा जिले में रहेंगे। 17 नवंबर को उदयपुर में बूथ स्तरीय चौपाल को संबोधित करेंगे। इसी दिन वे ग्राम साल्ही में परसा कोल ब्लॉक के प्रभावितों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद प्रेमनगर विधानसभा के ग्राम कांटारोली में बूथ स्तरीय जनचौपाल में शामिल होकर अंबिकापुर लौट आएंगे। 18 नवंबर को जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में जिला कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक में शामिल होने के बाद वे राजपुर में बूथ स्तरीय चौपाल कर वापस लोहरदगा लौट जाएंगे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के सभी दिग्गज नेताओं के सरगुजा में मौजूद रहने की संभावना है।

जिले में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन, 6 लाख 9 हजार 271 मतदाता दर्ज

- दावा-आपत्ति 11 दिसंबर तक, 4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिले में निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर को किया गया। जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतदाता सूची का अवलोकन कराया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष कुमार देवांगन एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार जिले में कुल 6 लाख 9 हजार 271 मतदाता हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची में दावा-आपत्ति 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक प्रस्तुत की जा सकती है। प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा 1 जनवरी 2027 के साथ ही 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं और नए नागरिकों से प्रारूप-6 में अग्रिम आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इससे पात्र युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से पुनरीक्षण कार्यक्रम में सहयोग करने तथा मतदान केंद्र स्तर पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति कर सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

युवा और दिव्यांग मतदाताओं की जानकारी

जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 2723 तथा 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 130418 मतदाता दर्ज हैं। इस तरह दोनों आयु वर्गों को मिलाकर युवा मतदाताओं की संख्या 133141 है। वहीं दिव्यांग मतदाताओं की कुल संख्या 7571 है। इनमें 4093 पुरुष, 3477 महिलाएं और 1 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा जिले में 2 ओवरसीज मतदाता तथा 872 सर्विस मतदाता दर्ज किए गए हैं।

जिले में कुल 882 मतदान केंद्र

विधानसभा क्षेत्रवार मतदान केंद्रों की संख्या में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 लुण्ड्रा में 277, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अंबिकापुर में 332 तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में 266 मतदान केंद्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सूरजपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 05 भटगांव के 7 मतदान केंद्रों को मिलाकर जिले में कुल 882 मतदान केंद्र हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 05 भटगांव के मतदाताओं को मिलाकर कुल 6 लाख 13 हजार 886 मतदाता पंजीकृत है। इनमें 3 लाख 6 हजार 907 पुरुष, 3 लाख 6 हजार 962 महिलाएं तथा 17 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार यहां भटगांव विधानसभा क्षेत्र के कुल 5 हजार 543 मतदाता हैं। इनमें 2 हजार 707 पुरुष और 2 हजार 836 महिलाएं शामिल हैं।

मुंह में पटाखा फूटने से मासूम की मौत, दीपावली का जश्न मातम में बदला

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में पटाखे ने एक मासूम की जान ले ली। दीपावली के मौके पर फोड़ने के लिए बच्चे के पिता ने पटाखा लाया था। मामले में स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, वाहन चालक का काम करने वाला इंद्रजीत मांझी पिता रघुनाथ मांझी 26 वर्ष, सीतापुर थाना क्षेत्र के नवापारा का रहने वाला है। दीपावली के मौके पर वह स्वयं और बच्चे के फोड़ने के लिए पटाखा लेकर घर आया था। 09 नवंबर को सुबह 8.30 बजे उसके घर आंगन में परिवार के बच्चों के साथ उसका करीब दो वर्षीय मासूम पुत्र भी आंगन में खेल रहा था। खेल-खेल में आदित्य एक लहसुन पटाखा को मुंह में



डालकर चबाया, और पटाखा मुंह के अंदर ही फट गया। इस घटना में उसके मुंह का ऊपर वाला नस जो होंठ और मुंह को जोड़ता है, कट गया, और मुंह से लगातार रक्तस्राव होने लगा। बच्चे के रोने, चिल्लाने की आवाज सुनकर माता-पिता और पास-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे, और बच्चे को लहूलुहान हाल में देखकर उनके होश उड़ गए। पूछताछ में बच्चों ने खेलते समय आदित्य के द्वारा लहसुन बम को मुंह में डालने की जानकारी दी। स्वजन बच्चे की स्थिति देखकर घबरा गए और उसे तुरंत सीतापुर शासकीय अस्पताल लेकर गए। यहां इलाज के बाद बच्चे के मुंह से खून का बहाव रुक गया और वे उसे वापस घर ले आए। रात में पुन: बच्चे की पीड़ा बढ़ गई और उसके मुंह से खून निकलने लगा। दूसरे दिन 10 नवंबर को बच्चे को लेकर वे पुन: सीतापुर अस्पताल पहुंचे, लेकिन खून रुक-रुक कर निकल ही रहा था। मुंह से हो रहे लगातार रक्तस्राव के कारण शरीर में खून की मात्रा कम होते गई और उसकी हालत बिगड़ने लगी। हालत में सुधार नहीं होने पर 11 नवंबर को स्वजन बच्चे को लेकर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे। यहां गंभीर स्थिति में चिकित्सक ने बच्चे को भर्ती करके इलाज शुरू किया, लेकिन मासूम के शरीर से काफी मात्रा में खून बह जाने के कारण रात में ही उसकी मृत्यु हो गई। इस घटना से मासूम की मां गायत्री का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में शोक का माहौल है।

बच्चों के झगड़े ने लिया खूनी रूप, महिला पर टांगी से हमला

सीतापुर। बच्चों के मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। मामला थाना सीतापुर के ग्राम भिठुआ कुम्हार पारा का है। जानकारी के मुताबिक, भिठुआ कुम्हार पारा निवासी श्रीकांत खेती-किसानी का काम करता है। 09 नवंबर को वह मैनपाट घूमने गया था। घर में उसकी मां चम्पा बाई, बहन और बहन दामाद नीरज मौजूद थे। शाम करीब 7.10 बजे उसकी लड़की ने फोन करके बताया कि दादी के साथ जहर साय और उसका लड़का राजेश लड़ाई कर रहे हैं। श्रीकांत घर लौटा, तब तक दोनों आरोपी लड़ाई कर रहे थे जो उसके आने पर भाग गए। पूछताछ में चम्पा बाई ने बताया कि 08 नवंबर को बच्चों के बीच नदी तरफ लड़ाई हुई थी, उसी पुरानी बात को लेकर जहर साय और राजेश घर आए और गालीगलौज करने लगे।

मकान और दुकान से ज्वेलरी, नकदी सहित करीब दो लाख का सामान पार

जनरल स्टोर में छत काटकर 50 हजार नकद पार

छ.ग.फ्रंटलाइन

सीतापुर। थाना अंतर्गत चोरी की दो घटनाओं में चोरों ने नेत्र सहायक के घर और एक जनरल स्टोर को निशाना बनाया और 50 हजार रुपये नकद के अलावा 80 हजार रुपये का जेवरात पार कर दिया। दोनों घटनाओं में करीब 2 लाख की चोरी का अंदेशा जताया जा रहा है। पुलिस केस दर्ज करके मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सुरेश कुमार दर्पण पिता मेवालाल दर्पण निवासी ग्राम सोनतराई, नेत्र सहायक अधिकारी के पद पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में पदस्थ हैं। वे 8 नवंबर, रविवार को रात 8 बजे अपने पुराने घर ग्राम कोट में बंदना दिवाली मनाने के लिए परिवार सहित गए थे। 10 नवंबर को सुबह 6 बजे उनके बच्चे का दोस्त ट्यूशन के लिए घर आया तो देखा कि घर के चैनल गेट का कुंडा कटा हुआ है और घर खुला था। उसने तुरंत इसकी सूचना फोन करके दी। नेत्र सहायक सुरेश जब घर पहुंचे तो चैनल गेट का कुंडी कटा मिला। अंदर जाने पर तीनों अलमारी के लॉक टूटे हुए थे और कपड़े बिखरे थे। अलमारी में रखे सोने के जेवरातों में मंगलसूत्र 02 नग, कान का बाली 05 जोड़ी, मांग टीका 01 नग, नथनी 02 नग, चांदी के जेवर में पायल 05 जोड़ी, बिछिया 03 जोड़ी, लॉकेट 03 नग, दो गुल्लक में रखा नकद रकम और जरूरी कागजात गायब थे।

कबरा कान वाले हाथी का कहर जारी, 04 दिनों में लिया 04 की जान, 02 घायल

- श्यामपुर में घर के सामने से ले गया महिला को, झिरमिटी में बाड़ी के पास बैठी महिला को कुचला

छ.ग.फ्रंटलाइन

सूरजपुर/उदयपुर। सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले में इन दिनों एक अकेले हाथी ने ऐसा आतंक मचा रखा है कि लोग शाम होते ही घरों में दुबकने को मजबूर हैं। स्थानीय लोग इसे 'कबरा कान वाला हाथी' कहते हैं, वही हाथी अब जिले में मौत का पर्याय बन चुका है। सूरजपुर जिले से अब यह सरगुजा सरहद के उदयपुर इलाके में पहुंचकर गुरूवार को एक वृद्ध महिला को कुचल दिया, वहीं एक महिला का पैर टूट गया है। एक अन्य के घायल होने की खबर है। हाथी की मौजूदगी और बच्चों के सुरक्षा को देखते हुए उदयपुर के हाथी प्रभावित क्षेत्र के स्कूलों के बच्चों की शिक्षा विभाग ने छुट्टी कर दी है। वन विभाग ड्रोन की मदद से हाथी की निगरानी में लगा है। बताया जा रहा है हाथी कर्मकट्टरा जंगल में प्रवेश कर गया है, जिससे जजगी, मोहनपुर, उपका, फुनगी, लक्ष्मणगढ़, महेशपुर, मानपुर, जगरनाथपुर



मौत के बाद 25 हजार देने की खानापूर्ति

बताया जा रहा है कि, महिला को करीब 50 मीटर तक घर के सामने से घसीटते हुए हाथी उमेश्वरपुर-रामानुजनगर मुख्य मार्ग तक ले गया और वहां पटक कर पैरों से कुचल दिया। जब तक ग्रामीण टॉर्च जलाकर और शोर मचाकर हाथी को भगा पाते, तब तक दिलासो बाई की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। परिवार का आरोप है कि अगर गांव में पहले से मुनादी या वन विभाग की टीम होती तो जान बच सकती थी। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। सूचना पर वन अमला और पुलिस मौके पर पहुंचा। महिला के शव का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। वन विभाग ने तात्कालिक सहायता के रूप में मृतका के परिजनों को 25 हजार रुपये नकद दिए हैं, हालांकि ग्रामीणों ने इसे ऊंट के मुंह में जीरा बताया।

ग्रामीण दहशत में हैं। बता दें कि, बुधवार की रात इस खूनी हाथी ने एक महिला की जान लेने के बाद गुरूवार को उदयपुर वन परिक्षेत्र के झिरमिटी की 70 वर्षीय महिला चेंगटी को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वृद्ध महिला घर के पास बाड़ी में बैठी थी। चलने में असमर्थ होने के कारण उसे भागने का मौका नहीं मिल पाया। इधर देर शाम ग्राम झिरमिटी में ही खेत में धान काट रही महिला वर्षा ठाकुर 45 वर्ष पर हाथी ने हमला कर दिया, जिसमें उसका पैर टूट गया। इसे उदयपुर सीएचसी से मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। बीते 10 दिनों में यह सातवीं मौत है, जिसे इसी हाथी ने अंजाम दिया है। आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले 6 महीनों में 18 लोगों को यह हाथी अपने पैरों तले रौंद चुका है। वन विभाग के तमाम दावों के बीच हाथी बेलगाम घूम रहा है और हर रात किसी नए गांव में खूनी तांडव कर रहा है। वन अधिकारियों के अनुसार कबरा कान वाला हाथी अपने झुंड से बिछड़ा हुआ अकेला नर हाथी है। इसके कान के पास सफेद-कबरे धब्बे हैं, इसलिए इसे 'कबरा कान वाला हाथी' नाम दिया गया है। अकेले होने के कारण यह ज्यादा आक्रामक और चिड़चिड़ा हो गया है। यह हाथी रात में गांवों में घुसता है, घरों को तोड़ता है, अनाज खाता है और सामने आने वाले को कुचल देता है।

कागजी निगरानी और शिफ्टिंग का खेल

बीते 10 दिनों में इसने कुमेली, सुरता, श्यामपुर, उमेश्वरपुर समेत कई गांवों में 6 लोगों को मारा है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग सिर्फ कागजों में निगरानी कर रहा है। हाथी को खदेड़ने के नाम पर पटाखे फोड़ कर एक गांव से दूसरे गांव में भेज दिया जाता है, जिससे खतरा टलता नहीं बल्कि शिफ्ट हो जाता है। खबर लिखे जाने तक वन अमले ने हाथी को उदयपुर के समीप रामगढ़ के जंगलों की तरफ खदेड़ा है, लेकिन ग्रामीणों को डर है कि वह रात होते ही फिर किसी गांव में लौट आएगा।

क्या कर रहा है वन विभाग?

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाथी की लगातार ट्रैकिंग की जा रही है। कुमकी हाथियों की मदद से इसे पकड़ने या जंगल की गहराई में धकेलने की योजना पर विचार हो रहा है। लेकिन ग्रामीण पूछ रहे हैं कि जब 16 मौतें हो चुकी हैं।

पक्के घर में जा रही दिलासो को पकड़ा

रामानुजनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम श्यामपुर के ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार की रात करीब 10 बजे कबरा कान वाला हाथी ग्राम कुमेली से सुरता के रास्ते खेतों में प्रवेश किया। सैकड़ों एकड़ में खड़ी धान की फसल को रौंदते-खाते हुए वह धीरे-धीरे श्यामपुर की ओर बढ़ा। गांव में हाथी के आने की सूचना फैलते ही दहशत फैल गई। 45 वर्षीय दिलासो बाई अपने पति और बच्चों के साथ उसी घर में थी, जिसमें दरवाजा नहीं लगा था। सुरक्षा के लिहाज से परिवार ने फैसला किया कि सामने स्थित अपने दूसरे पक्के घर में चले जाते हैं। परिवार सामान लेकर दूसरे घर की ओर जा ही रही थी कि रात करीब 11 बजे पीछे से कबरा कान वाला हाथी आ धमका। हाथी ने घर के पीछे से निकलकर सीधे दिलासो बाई को सूंड से पकड़ लिया।

पेड़ से हुई टक्कर में बाइक सवार किशोर की मौत, एक घायल

अंबिकापुर। पेड़ से हुई टक्कर में बाइक सवार किशोर की मौत हो गई, एक घायल हो गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम मरोल, कदमटोली निवासी सलीम तिग्गा पिता दिलीप तिग्गा 14 वर्ष, 9 नवम्बर को अपने दोस्त सनीप तिग्गा के साथ अपने भाई का मोटरसायकल लेकर गांव में ही बाजार तरफ गया था। मोटरसायकल सनीप चला रहा था। बाजार से वापस घर आते समय शाम करीब 6 बजे अनयंत्रित बाइक आम के पेड़ से भिड़ गई। इन्हें निजी वाहन से रात 9 बजे स्वजन अंबिकापुर के संकल्प अस्पताल लेकर पहुंचे। सलीम तिग्गा को शरीर के कई हिस्से में गंभीर चोटें आई थी और पेशाब के रास्ते से खून आ रहा था। गंभीर स्थिति देखते हुए वे उसे 11 नवम्बर को रायपुर के लिए रेफर कर दिए। स्वजन निजी एंबुलेंस से उसे रायपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसका शरीर ठंडा पड़ गया और वे उसे वापस मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

किराना दुकान में चोरी करते पड़ोसी पकड़ाया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कोतवाली थाना अंतर्गत मायापुर में किराना दुकान में चोरी करने घुसे पड़ोसी युवक को दुकान संचालक ने पीछा करके पकड़ लिया। आरोपी के पास से करीब 3500 रुपये का सामान बरामद हुआ है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मायापुर निवासी जितेन्द्र सोनी अपने घर पर ही किराना दुकान चलाता है। 09 नवंबर को रात 10 बजे वह दुकान बंद करके पूरे परिवार के साथ खाना खाकर सो गया था। देर रात करीब 3 बजे पड़ोसी राज ने जितेन्द्र की लड़की के मोबाइल पर कॉल करके सूचना दी कि उसके दुकान में कोई व्यक्ति दीवार फांद करके घुसा है। जितेन्द्र हल्ला करते हुए घर से बाहर निकला तो दुकान के अंदर मौजूद व्यक्ति लेस, कुरकुरे व अन्य सामान वहीं छोड़कर भागने लगा। जितेन्द्र ने हिम्मत दिखाते हुए उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। पकड़ा गया युवक कोई और नहीं बल्कि पड़ोस में रहने वाला शुभम कश्यप पिता रिंकु कश्यप था। सुबह होने पर जब शुभम के घर की तलाशी ली गई तो वहां जितेन्द्र की दुकान से चोरी गया पटाखा, लेस, कुरकुरे सहित करीब 3500 रुपये का सामान बरामद हुआ। दुकान के गल्ले में रखा 1500 रुपये नकद भी गायब था। जितेन्द्र ने बताया कि इसके पूर्व भी कई बार उसके दुकान से सामान चोरी हुआ था, लेकिन पता नहीं चल पाया था। इस बार चोर रंगे हाथों पकड़ में आ गया। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।



अवैध धान भंडारण और परिवहन पर होगी सख्त कार्रवाई, वास्तविक किसानों को मिले पूरा लाभः कलेक्टर

★ समय-सीमा की बैठक में धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा
★ 24 चेकपोस्ट, 12 उड़नदस्ता दल और 36 बिंदुओं की चेकलिस्ट से होगी निगरानी
★ 15 नवंबर से 54 केंद्रों में धान खरीदी, तैयारियाँ समय से पहले पूरी करने के निर्देश



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा की बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप जिले में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक 44 समितियों के 54 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी होगी। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा, जिससे अन्नदाताओं को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिलेगा। इस वर्ष किसानों को उनके गाँव के नजदीक सुविधा देने के लिए 5 नए उपार्जन केंद्र भी शुरू किए जा रहे हैं: शंकरगढ़ विकासखंड का सिहार, राजपुर का परसागुड़ी, बलरामपुर का लिलौटी तथा रामचंद्रपुर विकासखंड के चेरा और पचावल। इससे दूरस्थ अंचलों के किसानों का परिवहन खर्च और समय बचेगा। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी केंद्रों में तैयारियाँ तय तिथि से पहले हर हाल में पूरी कर ली जाएँ।

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसका लाभ वास्तविक किसानों तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने राजस्व, खाद्य, सहकारिता सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। अवैध धान भंडारण और परिवहन पर सख्त कार्रवाई करने के साथ कोचियों और बिचौलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा। संबंधित अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि अन्य राज्यों से धान की आवक रोकने के लिए जिले में 24 चेकपोस्ट सक्रिय किए गए हैं, जहाँ वाहनों और उनमें लदी सामग्री की जांच की जा रही है। जिला स्तर पर निगरानी समिति और तहसील स्तर पर 12 उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों और पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर 9 केंद्रों को अतिसंवेदनशील और 14 केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखकर इन पर विशेष नजर रखी जाएगी। किसानों को केंद्रों में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कलेक्टर ने प्रत्येक केंद्र में बैठने, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बिजली, तौल मशीन, आर्द्रतामापी यंत्र, कैमरा और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। बारिश की संभावना को देखते हुए किसानों की उपज की सुरक्षा के लिए तिरपाल और डनेज की पर्याप्त व्यवस्था पहले से करने के निर्देश दिए। सभी केंद्रों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में खरीदी पर नजर रखेंगे। वे 15 नवंबर से पहले केंद्रों का निरीक्षण कर शासन की चेकलिस्ट के सभी 36 बिंदुओं पर रिपोर्ट देंगे और प्रत्येक शनिवार-रविवार को खरीदे गए धान का भौतिक सत्यापन करेंगे। खरीदी में पारदर्शिता के लिए समितियों में प्रतिदिन की खरीदी की ऑनलाइन एंट्री उसी दिन शाम तक पूरी की जाएगी। गुणवत्ता संबंधी विवादों के त्वरित और निष्पक्ष निराकरण के लिए तहसीलदार की अध्यक्षता में दल गठित किया गया है। बैठक में बारदाने के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। बारदाने की व्यवस्था नए और पुराने बारदाने के 50:50 अनुपात में की गई है।

किसानों की सुविधा के लिए टोकन व्यवस्था ऑनलाइन और समिति स्तर, दोनों माध्यमों से रहेगी। दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत टोकन 'तुहर टोकन' ऐप से और 30 प्रतिशत समिति से जारी होगा। छोटे किसानों को प्राथमिकता देते हुए ऑनलाइन टोकन में 80 प्रतिशत हिस्सा लघु एवं सीमांत किसानों के लिए आरक्षित किया गया है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि धान खरीदी केंद्रों में असुविधा और लंबी कतारों से बचने के लिए 'तुहर टोकन' ऐप का उपयोग अवश्य करें। ऐप से 24 घंटे घर बैठे टोकन लिया जा सकता है, जिससे किसानों के समय और श्रम दोनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष खरीदी पूरी तरह बायोमेट्रिक सत्यापन से होगी, जिससे वास्तविक किसान को ही लाभ मिलना सुनिश्चित होगा। इसके लिए किसान स्वयं या उनके नामांकित व्यक्ति केंद्र पर उपस्थित रहें। 17 प्रतिशत से अधिक नमी वाला धान नहीं खरीदा जाएगा, इसलिए किसान साफ और अच्छी तरह सुखाया हुआ धान ही केंद्र पर लाएँ। प्रति बोरा 40 किलोग्राम धान की भर्ती होगी। खरीदी के अंतिम दिन शाम 5 बजे तक केंद्र पहुँचे धान की तौल उसी दिन की जाएगी, ताकि कोई भी किसान उपज बेचने से वंचित न रहे।बैठक में कलेक्टर ने अन्य लंबित प्रकरणों के साथ सीएम हेल्पलाइन, पीएम सूर्यघर योजना, पारस पोर्टल की भी समीक्षा की।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार सिदार, श्री आर. एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व एसडीएम व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

धान विक्रय के लिए अब घर बैठे मिलेगा टोकन, जिले में पांच नवीन उपार्जन केंद्र भी खुलेंगे

★ किसानों को दोहरी राहत: ऐप से 24 घंटे टोकन और नजदीक में धान खरीदी केंद्र
★ सिहार, परसागुड़ी, लिलौटी, चेरा व पचावल में नवीन धान उपार्जन केंद्र



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को अब टोकन के लिए समितियों में लंबी कतार नहीं लगानी पड़ेगी। 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप से किसान घर बैठे 24 घंटे टोकन प्राप्त कर सकेंगे। टोकन जारी करने की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हो गई है, जबकि धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से शुरू होगी।

उपार्जन केंद्रों की दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप से और 30 प्रतिशत समिति स्तर पर जारी होगा। ऑनलाइन टोकन में 80 प्रतिशत हिस्सा लघु एवं सीमांत किसानों और 20 प्रतिशत बड़े किसानों के लिए आरक्षित है। भूमि रकबे के अनुसार 2 एकड़ तक के किसान को 1, 2 से 10 एकड़ तक को 2 और 10 एकड़ से अधिक रकबे वाले किसान को 3 टोकन मिलेंगे। किसान गूगल प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड कर ओटीपी आधारित पंजीयन करें और धान की मात्रा दर्ज कर टोकन प्राप्त करें।

जिले में पांच नवीन धान उपार्जन केंद्र में भी धान की खरीदी होगी। शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम सिहार, राजपुर के परसागुड़ी, बलरामपुर के लिलौटी तथा रामचंद्रपुर विकासखंड के चेरा और पचावल के नए केंद्र में धान की खरीदी की जाएगी। इससे दूरस्थ अंचलों के किसानों को उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि कृषक बंधुओं के हित को ध्यान में रखते हुए शासन ने ये निर्णय लिए हैं। ऐप से टोकन और नजदीक में उपार्जन केंद्र की सुविधा से किसानों के समय और पैसे दोनों की बचत होगी। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि वे 'तुहर टोकन' ऐप से घर बैठे टोकन लें, ताकि कृषक समितियों में लंबी कतारों से बच सकें और धान विक्रय सुगमता से हो सके।

जनजातीय गौरव सप्ताहः बलरामपुर जिले में 18 नवंबर तक होंगे विविध आयोजन, जनजातीय नायकों और संस्कृति को मिलेगा सम्मान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 18 नवंबर 2026 तक 'जनजातीय गौरव सप्ताह' मनाया जा रहा है। इस दौरान जिले की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जनजातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सप्ताह के दौरान जिला स्तर पर जनजातीय विषयों पर संगोष्ठी और सेमिनार आयोजित होंगे। जनजातीय क्रांति के नायकों और जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा प्रमुख जनजाति और उप-जनजाति प्रमुखों का सम्मान किया जाएगा। जनजातीय विकास प्रदर्शनी के साथ क्राफ्ट, कला, शिल्प, व्यंजन और पुस्तक मेला तथा पारंपरिक जनजातीय वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी भी लगेगी। जनजातीय विषयों पर आधारित चित्रकला और फोटोग्राफी प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी।

जनजातीय महापुरुषों की प्रतिमा स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर स्थानीय प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित किया जाएगा। जिला मुख्यालय में जनजाति स्वाभिमान सम्मेलन के साथ कला और संस्कृति पर आधारित स्टॉल लगाए जाएंगे। समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

छठ की तैयारियों में जुटे श्रद्धालु, घाटों की साफ-सफाई और रंग-रोगन जारी



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सूर्य षष्ठी छठ महापर्व की तैयारियां कोयलांचल में अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व का शुभारंभ होगा, जो सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न होगा। कोयलांचल बिश्रामपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ पर्व की तैयारियों में जुटे हुए हैं। बिश्रामपुर के प्रमुख छठ घाटों में गायत्री मंदिर परिसर स्थित छठ घाट तालाब, गोरखनाथपुर स्थित रेंड नदी घाट, हर्राटिकरा रेंड नदी घाट एवं केनापारा में श्रद्धालुओं द्वारा दीपावली के दूसरे दिन से ही साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। घाटों की सफाई के साथ रंग-रोगन, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य जरूरी सुविधाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

गायत्री मंदिर स्थित छठ घाट तालाब की साफ-सफाई, रंग-रोगन, लाइटिंग एवं अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी नगर पंचायत प्रबंधन द्वारा निभाई जाती है। वहीं गोरखनाथपुर रेंड नदी घाट पर छठ सेवा समिति के पदाधिकारी आपसी सहयोग एवं समन्वय से व्यवस्थाएं बनाने में जुटे हैं। पिछले कई वर्षों से भाजपा नेता अनूप सिन्हा एवं उनकी टीम द्वारा यहां छठ आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

चार दिनों तक चलेगा सूर्य उपासना का महापर्व

शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत होगी। शनिवार को खरना के दिन व्रती खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जबकि सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद हवन-पूजन के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन होगा। संतान एवं परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और स्वस्थ जीवन की कामना के लिए किया जाने वाला छठ महापर्व उत्तर भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में विशेष आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। सूर्य उपासना का यह पर्व अब देश के विभिन्न हिस्सों में भी व्यापक रूप से लोकप्रिय हो चुका है।

इसकी धार्मिक और सांस्कृतिक गूंज विदेशों तक पहुंच चुकी है। कोयलांचल में भी छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

लोकनृत्य महोत्सव में दिखी जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा, विजेता दल करेंगे राज्य स्तर पर प्रदर्शन

★ मांदर की थाप, करमा की रंगत: जिला स्तरीय महोत्सव में ओकरा, धनजी व करचा के दल पुरस्कृत ★ जनजातीय संस्कृति का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी: उद्धेश्वरी



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला मुख्यालय बलरामपुर स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोककला महोत्सव की जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। बलरामपुर, रामचंद्रपुर, वाड्रफनगर, राजपुर, शंकरगढ़ और कुसमी विकासखंडों से आए नर्तक दलों ने पारंपरिक वेशभूषा में मांदर और ढोल-नगाड़ों की थाप पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। विधायक ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती पैकरा ने कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और सम्मान का प्रतीक है तथा हमें प्रकृति संरक्षण, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे के मूल्यों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक पहचान यहाँ की जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों और लोककलाओं में निहित है, जिसे जनजातीय समाज ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। इस सांस्कृतिक पूंजी का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विधायक ने कहा कि आधुनिकता और विकास के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। युवा पीढ़ी अपनी भाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों और रीति-रिवाजों से जुड़ी रहे, तभी यह विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँच सकेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को पूर्वजों के ज्ञान और परंपराओं से परिचित कराने का सशक्त माध्यम हैं।

प्रतियोगिता में राजपुर विकासखंड के ग्राम ओकरा की आशामनी कुजूर के नेतृत्व वाले दल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 50 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। कुसमी विकासखंड के ग्राम धनजी की विनीता कुजूर का दल 25 हजार रुपये के पुरस्कार के साथ द्वितीय रहा। कुसमी के ही ग्राम करचा के अखिलेश कुजूर के दल ने 15 हजार रुपये के पुरस्कार के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता दलों को राज्य स्तर पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता पैकरा, नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, श्री कृष्णा गुप्ता, श्री भानु प्रकाश दीक्षित, श्री विजय सिंह, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री समीक्षा जायसवाल सहित समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत दुग्गा में 24 लाख की वित्तीय अनियमितता उजागर, सरपंच-सचिव से होगी वसूली

जांच में खुलासा, आरआरसी प्रकरण दर्ज कराने जनपद सीईओ ने एसडीएम को भेजा प्रस्ताव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत दुग्गा में शासकीय राशि के गबन एवं विकास कार्यों में वित्तीय अनियमितता का गंभीर मामला सामने आया है। पंचायत में वर्ष 2020 से 2026 के बीच स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों की जांच में 24 लाख 1 हजार 493 रुपये की वित्तीय अनियमितता उजागर हुई है। मामले में तत्कालीन एवं वर्तमान सरपंच तथा सचिव के विरुद्ध शासकीय राशि की वसूली की कार्रवाई की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत भैयाथान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार गुप्ता द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत दुग्गा में कराए गए विकास कार्यों की स्थिति की जांच कराई गई थी। जांच में सामने आया कि सड़क, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य विकास कार्यों के लिए स्वीकृत शासकीय राशि का आहरण तो कर लिया गया, लेकिन कई कार्यों को मौके पर पूर्ण नहीं कराया गया। गठित जांच दल द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन एवं कार्यों के मूल्यांकन के आधार पर कुल 24 लाख 1 हजार 493 रुपये की शासकीय राशि के गबन एवं वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया।

मामले में प्रशासन द्वारा संबंधित सरपंच एवं सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित समय-सीमा में गबन की गई राशि शासकीय कोष में जमा करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद समयावधि समाप्त होने के बाद भी संबंधितों ने न तो राशि जमा की और न ही अधूरे निर्माण कार्यों को पूर्ण कराया।

आरआरसी प्रकरण दर्ज कराने भेजा प्रस्ताव

मामले में अब प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शासकीय राशि की वसूली की प्रक्रिया तेज कर दी है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भैयाथान द्वारा 12 नवंबर 2026 को जारी कार्यालयीन पत्र के माध्यम से संबंधित सरपंच एवं सचिव के विरुद्ध राजस्व वसूली प्रमाण पत्र (आरआरसी) प्रकरण दर्ज कराने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैयाथान को प्रस्ताव भेजा गया है।

इस कार्रवाई से पंचायतों में शासकीय योजनाओं की राशि के दुरुपयोग और विकास कार्यों में अनियमितता बरतने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन की इस पहल को पंचायत स्तर पर वित्तीय अनियमितताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

रबी बीज वितरण कार्यक्रम के तहत 56 कृषक हुए लाभान्वित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विकासखंड सुरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सलका के पंचायत भवन में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रबी फसलों के बीजों का नि:शुल्क वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत किसानों को सरसों, मसूर एवं अलसी के बीज नि:शुल्क प्रदान किए गए। ग्राम के उपसरपंच सुरेंद्र राजवाड़े एवं पंचों से किसानों को बीज वितरित कराए गए। इस अवसर पर कृषि विभाग के कृषि विस्तार अधिकारी नील कमल मिश्रा द्वारा किसानों को सरसों, मसूर एवं अलसी जैसी वैकल्पिक रबी फसलों की खेती, उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक खेती के तरीके तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए किसानों को रबी सीजन की फसलों का बीमा कराने तथा प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान की स्थिति में योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभों के प्रति जागरूक किया गया।



कार्यक्रम के माध्यम से 56 कृषकों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में किसान मित्र सामनाथ सिंह, संजय, रूपसिंह, नोहर सिंह, रामेश्वर, फेकू राम, तारा चंद्र राजवाड़े, बुधियारो, देव सिंह, सभापति सहित अन्य उपस्थित थे।



स्वच्छ सर्वेक्षण की घोषणा, मेंटर शहरों की सूची में अहमदाबाद शीर्ष पर

नवी मुंबई देश का सबसे साफ शहर बना, सूरत और विजयवाड़ा ने भी मारी बाजी, रुद्रपुर को मिला सबसे स्वच्छ हिमालयी शहर का तमगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के सबसे साफ शहरों की तस्वीर सामने आ गई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में महाराष्ट्र के नवी मुंबई ने राष्ट्रीय स्वच्छ शहर श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है। गुजरात का सूरत दूसरे और आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर रहा। उत्तराखंड के रुद्रपुर को सबसे स्वच्छ हिमालयी शहर चुना गया। इस बार सर्वेक्षण में नदी किनारे बसे शहरों, समुद्री तटों और पहाड़ी क्षेत्रों की सफाई को भी अलग-अलग श्रेणियों में रखा गया। इस बार मेंटर शहरों की सूची में अहमदाबद शीर्ष पायदान पर रहा।

अब 10वें संस्करण में इसका दायरा बढ़कर 4,751 से अधिक शहरों तक पहुंच गया है। इस बार शहरों की सफाई व्यवस्था का आकलन करते समय नागरिकों की राय को भी अधिक महत्व दिया गया। नदी किनारों, समुद्री तटों और दूसरे जल स्रोतों को भी सर्वेक्षण में व्यापक रूप से शामिल किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2025-26 प्रदान किए।



सफाई और स्वच्छता के प्रयासों को मिला सम्मान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2025-26 प्रदान किए। ये पुरस्कार स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत शहरों में सफाई और स्वच्छता के लिए किए गए प्रयासों को मान्यता देने के लिए दिए गए। यह सर्वेक्षण का दसवां संस्करण है।

शहरों की सफाई, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को परखा

राष्ट्रीय स्वच्छ शहर श्रेणी में नवी मुंबई पहले, सूरत दूसरे और विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर रहे। इस श्रेणी में शहरों की सफाई, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को परखा गया।स्वच्छ शहर लीग के तहत भी शहरों के प्रदर्शन का आकलन सफाई और कचरे के सही प्रबंधन जैसे मानकों पर किया जाता है।

हिमालयी शहरों की श्रेणी में जम्मू और शोपियां आगे रहे

हिमालयी शहरों की श्रेणी में उत्तराखंड के रुद्रपुर ने पहला स्थान हासिल किया। जम्मू दूसरे और जम्मू-कश्मीर का शोपियां तीसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत अहमदाबाद को पहला मेंटर शहर चुना गया, जबकि गुजरात के साणंद को उसका मेंटी शहर माना गया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की प्रमुख श्रेणियों के विजेता

- राष्ट्रीय स्वच्छ शहरः नवी मुंबई, सूरत, विजयवाड़ा।
- स्वच्छ नदी तटीय शहरः रीवा, बिलासपुर, वाराणसी।
- स्वच्छ समुद्री तटीय शहरः पुरी, अलप्पुझा, रत्नागिरी।
- स्वच्छ हिमालयी शहरः रुद्रपुर, जम्मू, शोपियां।
- मेंटर शहरः अहमदाबाद पहले और इंदौर दूसरे स्थान पर।

खबर संक्षेप

अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई, 4 की मौत

नोएडा। गंगा एक्सप्रेस-वे पर सांडी थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 317 पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में कार सवार दंपती और उनके 2बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मदद के लिए देर से पहुंचने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। यूपीडा के वाहन को पलट दिया।सौरभ उपाध्याय साफ्टवेयर कंपनी चलाते थे।



3 राज्यों में शुरू होंगी सांध्यकालीन अदालतें

नई दिल्ली। अदालतों में लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे और अदालती बोझ कम करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 3राज्यों दिल्ली, बिहार और आंध्र प्रदेश में सांध्यकालीन अदालतें शुरू करने का फैसला किया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मघवाल न इसका जानकारा दा है।सरकार इस साल के अंत तक दिल्ली, बिहार और आंध्र प्रदेश में 'इवनिंग कोर्ट' शुरू करेगी।



ठाणे में भगवान बुद्ध और आंबेडकर की मूर्तियां चोरी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुधवार तड़के अज्ञात लोगों ने बुद्ध विहार में घुसकर भगवान गौतम बुद्ध और डॉ. बीआर आंबेडकर की पीतल की मूर्तियां चोरी कर लीं। पुलिस ने बताया कि यह घटना कलवा इलाके के जय भीम नगर-2 स्थित त्रिरत्न बुद्ध विहार में हुई। मंगलवार शाम को नियमित प्रार्थना के बाद विहार को बंद कर दिया गया था।



पूर्व सांसद व सीबीआई अफसर भाजपा में गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले नेताओं के दल बदलने का सिलसिला तेज हो गया है। बुधवार को सपा को पूर्वांचल और बुंदेलखंड में बड़ा झटका लगा। बस्ती से बीएसपी के पूर्व सांसद अरविंद कुमार चौधरी और बांदा के रहने वाले पूर्व सीबीआई अधिकारी व सपा नेता अनिल यादव समेत कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।



डिवाइडर से टकराई बाइक, 2 युवकों की मौत

आगरा। किले के सामने मंगलवार देर रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में 2युवकों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान 16 वर्ष के नैतिक पुत्र भोला सिंह निवासी सुल्तानपुरा कैंट और विशाल पुत्र मनोज निवासी मंटोला के रूप में हुई है। बाइक सवार तीसरा साथी प्रेम पुत्र धर्म निवासी मंटोला गंभीर घायल हो गया।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कई योजनाओं को दी मंजूरी

8.449 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनेगा, 5 एलिवेटेड स्टेशन भी होंगे, यात्रा होगी सुगम

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने दी फैसलों की जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के तहत एक्वा लाइन कॉरिडोर के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके तहत नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 तक 8.449 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसमें 5 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। इस कॉरिडोर के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क की कुल लंबाई 71.878 किलोमीटर हो जाएगी।इस परियोजना से नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बेहतर होगी। इससे शहर के उन इलाकों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जहां फिलहाल सार्वजनिक परिवहन की सीधी कनेक्टिविटी सीमित है। इसके अलावा, नोएडा सेक्टर-61 में ब्लू लाइन मेट्रो के साथ इंटरचेंज की सुविधा भी मिलेगी।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो कनेक्टिविटी का होगा विस्तार



जाम से मिलेगी मुक्ति

इस विस्तार से क्लियो काउंटी और ग्रेटर नोएडा के गौर सिटी-1 एवं गौर सिटी-2 जैसी आवासीय सोसाइटियों के निवासियों को भी मेट्रो सुविधा का लाभ मिलेगा। इससे रोजगार, कारोबार, शिक्षा और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए आवागमन करने वाले लोगों का सफर आसान होने की उम्मीद है।परियोजना से सड़कों पर वाहनों का दबाव और यातायात जाम कम करने में मदद मिलेगी।

प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों को मिलेगा लाभ

कॉरिडोर से कई प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों, आईटी एवं औद्योगिक कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आवासीय क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इनमें गौर सिटी मॉल, एचएंडएस मॉल, ब्लू सफायर मॉल, ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 का व्यावसायिक क्षेत्र, नोएडा सेक्टर-51 स्थित आईकेईए और सेक्टर-73 का एंथुरियम मॉल शामिल हैं। नोएडा सेक्टर-60 स्थित टेक महिंद्रा और टीसीएल टेक के कार्यालय, सेक्टर-73 स्थित ऑयल इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड तथा गोल्डन आई कार्यालय एवं व्यावसायिक परिसर को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। शैक्षणिक संस्थानों में दिल्ली पब्लिक स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं में कैलाश अस्पताल, सेक्टर-70 का रामा अस्पताल, सेक्टर-51 का क्लाउडनाइन अस्पताल तथा सेक्टर-62 का रामा अस्पताल शामिल हैं।

'युगे युगीन संग्रहालय

दिल्ली के नॉर्थ-साउथ ब्लॉक में बनेगा 3,230 करोड़ मंजूर

कैबिनेट ने दिल्ली के ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' विकसित करने की मंजूरी दे दी है। परियोजना के लिए 3,230 करोड़ की अनुमानित लागत को स्वीकृति दी गई।यह संग्रहालय भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक निरंतरता को प्रदर्शित करेगा। इसे नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की ऐतिहासिक इमारतों के मौजूदा स्वरूप का संरक्षण करते हुए विकसित किया जाएगा।

दुनिया का सबसे बड़ा डिस्प्ले एरिया वाला संग्रहालय बनाने की योजना

संग्रहालय लगभग 1,78,509 वर्ग मीटर के प्रस्तावित निर्मित क्षेत्र में विकसित होगा। इसमें आधुनिक संग्रहालय तकनीक, इमर्सिव अनुभव और सुविधाएं तैयार की जाएंगी। इसे दुनिया का सबसे बड़ा डिस्प्ले एरिया वाला संग्रहालय बनाने की योजना है। इसमें भारत की सभ्यतागत यात्रा को अलग-अलग विषयों पर आधारित गैलरी, प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक परंपराओं के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

ईडी के कोलकाता ऑफिस की कार्रवाई

प्लाट-होटल, 2 पर्यटक जहाज और 3 बैंक खाते जब्त किए

21 मुखौटा कंपनियों को 301.50 करोड़ का लोन



एजेंसी ▶▶ कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल ऑफिस-2 ने गत सप्ताह एक प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर (पीएओ) जारी किया है। इसके जरिए अंडमान और निकोबार स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक धोखाधड़ी मामले में लगभग 121.35 करोड़ की 35 अचल संपत्तियों और 05 चल संपत्तियों को जब्त किया गया है। जब्त की गई संपत्तियों में जमीन के टुकड़े, एक होटल, दो सेमी-सबमरीन टूरिस्ट वेसल (पर्यटक जहाज) और 3 बैंक खातों में जमा राशि शामिल है।ईडी ने यह जांच अंडमान और निकोबार पुलिस के 'क्राइम एंड इकोनॉमिक ऑफेंस' पुलिस स्टेशन में पूर्व सांसद कुलदीप राय शर्मा और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। पूर्व सांसद और एएनएससीबीएल के तत्कालीन उपाध्यक्ष कुलदीप राय शर्मा ने बैंक आधकाारया आर अपन सहयागया क साथ मिलकर, बैंकिंग नियमों का उल्लंघन करते हुए 'शेल कंपनियों' (फर्जी कंपनियों) के जरिए भारी-भरकम लोन मंजूर कराए।

आरोपियों ने 23 अवैध शेल कंपनियां बनाई

आरोपियों ने 23 ऐसी शेल कंपनियां बनाईं, जिनका कोई वास्तविक कारोबार नहीं था। इन कंपनियों में उन्होंने अपने सहयोगियों और अन्य लोगों को 'डमी डायरेक्टर' (नाममात्र के निदेशक) के तौर पर रखा। इनमें से 21 कंपनियों को लगभग 301.50 करोड़ रुपये का लोन मंजूर किया गया, जिसमें से 18 कंपनियों का लगभग 271 करोड़ का लोन अब एनपीए (फंसा हुआ कर्ज) बन चुका है। लोन की इस रकम को नकद निकाल लिया गया या कई अलग-अलग खातों के जरिए इधर-उधर घुमाया गया।

राशि का दुरुपयोग किया, अवैध लोन भी दिए

इस पैसे का इस्तेमाल कुलदीप राय शर्मा के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के नाम पर जमीन और अन्य संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया। इन 23 शेल कंपनियों के अलावा, कई अन्य कंपनियों को भी अवैध तरीके से भारी लोन दिए गए, जिनमें कुलदीप राय शर्मा के परिवार के सदस्यों की कंपनियां भी शामिल थीं। इन लोन की रकम को भी हड़प लिया गया और वापस नहीं चुकाया गया। इस मामले में सामने आई कुल 'अपराध से प्राप्त रकम' 500 करोड़ से अधिक है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना

2031 तक जारी रखा जाएगा, 4,111 करोड़ के क्रेडिट गारंटी कोष स्वीकृत

स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रहेगी। इसका उद्देश्य महिलाओके बीच उद्यमिता को बढ़ावा देना है। अगले 5वर्षों में कम से कम 2.5 लाख नए उद्यमियों को वित्तीय सहायता देने का लक्ष्य रखा गया है।सरकार ने योजना के लिए 4,111 करोड़ के क्रेडिट गारंटी कोष को भी मंजूरी दी है। अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना के माध्यम से अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला, एससी और एसटी उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराने में मदद मिली।

एक करोड़ तक मिल सकेगा ऋण

योजना के तहत महिलाएं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमी ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण ले सकेंगे। इसके अंतर्गत 10 लाख से अधिक और एक करोड़ तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। यह ऋण टर्म लोन या वर्किंग कैपिटल और टर्म लोन के संयुक्त रूप में दिया जा सकता है। राशि परियोजना लागत के 85 प्रतिशत तक हो सकती है।

ऋण पर 85 प्रतिशत तक क्रेडिट गारंटी कवरेज

योजना के तहत ऋण राशि पर 85 प्रतिशत तक क्रेडिट गारंटी कवरेज उपलब्ध होगा। इसके लिए मानक गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। महिला और वंचित समुदायों में उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

लद्दाख के सीईओ का आदेश

चुनाव से पहले लेह, कारगिल में धरने-प्रदर्शनों पर लगाई रोक

एजेंसी ▶▶ लेह

लद्दाख के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू रहने के दौरान लेह और कारगिल की नगरपालिका सीमाओं के भीतर राजनीतिक धरने, विरोध-प्रदर्शन, रैलियों और ऐसी अन्य सामूहिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है। बुधवार को आधिकारिक जानकारी दी गई। लद्दाख में पंचायत और नगर निकाय चुनाव 11 नवंबर को होने हैं, जबकि 8 लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों के चुनाव 4दिसंबर को निर्धारित हैं। सीईओ राहुल शर्मा ने कहा कि 23 अक्टूबर से लागू आदर्श आचार संहिता चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी है। जम्मू-कश्मीर नगर निकाय और नगर निकाय चुनाव के तहत आदेश में ऐसी गतिविधियों पर रोक रहेगी, जिनसे मतदाताओं के डरने, सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी माहौल खराब होने की आशंका हो।



उपराष्ट्रपति कॉलेज के प्लैटिनम जुबली में बोले

छात्र प्रौद्योगिकी अपनाएं, ज्ञानार्जन करें और नशीले पदार्थों से दूर रहें

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

उपराष्ट्रपति ने कॉलेज परिसर में स्वतंत्रता सेनानी वीओ चिदंबरम पिल्लई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और संस्थान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारक द्वार का उद्घाटन किया। वे अपनी पुरानी कक्षा में भी गए और 1975–78 बैच के अपने सहपाठियों से बातचीत में कॉलेज के दिनों को आत्मीयता से स्मरण किया। राधाकृष्णन ने स्मरण किया कॉलेज, शिक्षकों और शख्सियतों ने उनके नजरिये को आकार देकर उन्हें बड़े दायित्वों के लिए तैयार किया। छात्र विरासत सहेजते हुए नई प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान और उभरते विषयों को अपनाएं जिससे समाज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे। उन्होंने युवाओं से आत्म-अनुशासन विकसित करने, नशीले पदार्थों और अन्य हानि पहुंचाने वाली आदतों से दूर रहने का आह्वान किया।



हरिद्वार जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा

अमरापुर जटवाड़ा घाट पर लगाने का प्रस्ताव

हरिद्वार अर्धकुंभ से पहले गंगा नदी में लगाया जाएगा 'ट्रैश बूम इंटरसेप्टर'

एजेंसी ▶▶ देहरादून

हरिद्वार में अगले साल होने वाले अर्धकुंभ से पहले गंगा नदी में 'ट्रैश बूम इंटरसेप्टर' लगाया जाएगा, ताकि ठोस कचरे से नदी को प्रदूषित होने से रोका जा सके। हरिद्वार जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि दशहरा से दीवाली तक 18 दिन में ऊपरी गंग नहर को मरम्मत और रखरखाव बंद किए जाने के दौरान उससे 100 मीट्रिक टन से अधिक कचरा निकाला गया। यह तकनीक जलविद्युत परियोजनाओं में इस्तेमाल की जा रही है।



नगर निगम ने निविदा जारी की

हरिद्वार नगर निगम के आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि इंटरसेप्टर लगाने के लिए निविदा जारी की गई है और उम्मीद है कि 2027 के अर्धकुंभ से पहले काम शुरू हो जाएगा। ट्रैश बूम इंटरसेप्टर एक तैरता हुआ अवरोधक है, जो नदी में फेंके गए कचरे, जैसे फूल, कपड़े, प्लास्टिक और अन्य ठोस चीजों को रोक लेता है। इस तकनीक में नहर या नदी के आर-पार एक बूम बैरियर लगा दिया जाता है, जो कचरे को एक किनारे की तरफ धकेल देता है। जब कचरा किनारे पर इकट्ठा हो जाता है, तो उसे कन्वेयर बेल्ट पर डाल दिया जाता है। प्रशासन ने नदी की स्वच्छता और पवित्रता रखने की अपील की है।

सोनिया गांधी के संस्मरण पर भाजपा ने किया तीखा हमला

प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़कर बन गईं 'सुपर पीएम'

भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कसा तंज और फैसले को 'सुपर त्याग' बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के नए संस्मरण को लेकर भाजपा ने उन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के उनके फैसले को त्याग बताने के दावे पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि सोनियाने प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़कर 'सुपर पीएम' बनने का रास्ता चुना था। उन्होंने प्रधानमंत्री पद नहीं संभाला, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्ष बनकर कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा हासिल किया। पार्टी ने आपातकाल और राजीव गांधी से जुड़े दावों को भी चुनौती दी है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सोनिया के संस्मरण 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' पर प्रतिक्रिया दी।



'सुपर पीएम' का उदाहरण दुनिया में नहीं

सुधांशु ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री पद छोड़कर कैबिनेट रैंक वाला पद लेना किस तरह का त्याग था। त्रिवेदी ने यह भी कहा कि दुनिया में ऐसा उदाहरण नहीं मिलेगा, जहां कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री पद छोड़कर कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा हासिल करे। भाजपा ने इसी आधार पर सोनिया के फैसले पर सवाल उठाए।

सोनिया के दावे पर हजारे भी बिफरे

इतनी संकीर्ण सोच रखना सही नहीं, देश के बारे में



वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा, मेरे लिए सिर्फ समाज और देश मायने रखते हैं। इतनी संकीर्ण सोच रखना सही नहीं है। देश के बारे में सोचिए।

किताब में नीतीश के चित्रण से जद(यू) नाराज

लोगों को गुमराह करने के लिए इसे पेश किया



जनता दल (यूनाइटेड) ने पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चित्रण पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किताब में घटनाक्रम को लोगों को गुमराह करने की खास रणनीति के तहत पेश किया है।

एनयूएसआई नेता अनस पर छात्रा का आरोप

ज्ञानेश के खिलाफ प्रोटेस्ट के बदले 500 रुपए ऑफर किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने एनएसयूआई नेता अनस खान को लेकर बड़ा दावा किया है। छात्रा का आरोप है कि अनस ने राहुल गांधी के मार्च में शामिल होने कॉलेज के छात्रों को 200 से 500 रुपए देने का ऑफर दिया था। यह मार्च मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ था। छात्रों को मुफ्त खाना, आने-जाने की सुविधा और दूसरी चीजें देने की भी बात कही गई थी।



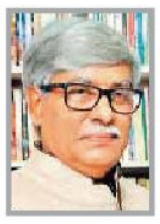
100 छात्रों को मार्च में शामिल करने का दावा

छात्रा के अनुसार अनस कॉलेज के करीब 100 छात्रों को इस मार्च में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। इसके लिए कॉलेज के एक ग्रुप में मैसेज भेजा गया था। इसमें करीब 1000 छात्र जुड़े हुए हैं। छात्रा का दावा है नए छात्रों को भी इस ग्रुप में जोड़ा जाता है। छात्रों को मुफ्त खाना, सफर और रिफ्रेशमेंट देने की बात कही गई थी। कुछ छात्रों को फ्री रैपिडो राइड और जोमैटो ऑफर देने का भी दावा किया गया है।

चिंतन

रोजगार के मौके और महिलाओं की भागीदारी बढ़ना शुभ संकेत

देश में बेरोजगारी दर का पिछली तिमाही के 5.4 प्रतिशत से घटकर 5.1 प्रतिशत पर आना राहत देने वाला है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि श्रमबल में भागीदारी और वास्तव में काम कर रहे लोगों का अनुपात भी बढ़ा है। खासकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारतीय अर्थव्यवस्था में आ रहे बदलाव की ओर शुभ संकेत करती है। जुलाई-सितंबर 2026 की तिमाही के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट में कई सकारात्मक संकेत मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 54.6 प्रतिशत से बढ़कर 55.5 प्रतिशत हो गई है। इसका अर्थ है कि काम करने या रोजगार तलाशने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है। वहीं, कामगार-जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में भी एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह 51.7 प्रतिशत से बढ़कर 52.7 प्रतिशत पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बताता है कि कामकाजी आयु वर्ग के लोगों में वास्तव में रोजगार पाने वालों का अनुपात बढ़ा है। यानी सुधार केवल नौकरी तलाशने वालों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि अधिक लोग काम से भी जुड़ रहे हैं। इस रिपोर्ट का सबसे उत्साहजनक पक्ष महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि है। महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर 33.2 प्रतिशत से बढ़कर 34.7 प्रतिशत और कामगार-जनसंख्या अनुपात 31.3 प्रतिशत से बढ़कर 32.8 प्रतिशत हो गया है। महिलाओं का रोजगार से जुड़ना केवल परिवार की आमदनी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक स्थिति भी मजबूत होती है। अर्थव्यवस्था को भी इसका लाभ मिलता है, क्योंकि अधिक आबादी की कार्यक्षमता का उपयोग संभव होता है। ग्रामीण भारत ने इस तिमाही में रोजगार के मोर्चे पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गांवों में बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई, जबकि शहरों में यह 6.7 प्रतिशत से मामूली बढ़कर 6.8 प्रतिशत हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि गतिविधियों की तेजी और स्वरोजगार में वृद्धि ने श्रम बाजार को सहारा दिया। कृषि क्षेत्र में कामगारों की हिस्सेदारी 52.9 प्रतिशत से बढ़कर 56.7 प्रतिशत और स्वरोजगार का अनुपात 61.4 प्रतिशत से बढ़कर 62.7 प्रतिशत हो गया। इस अवधि में 15 वर्ष से अधिक आयु के औसतन 57.9 करोड़ लोग रोजगार में थे। हालांकि, इन सकारात्मक आंकड़ों के साथ कुछ चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। ग्रामीण रोजगार में कृषि और स्वरोजगार की बढ़ती हिस्सेदारी को स्थायी तथा बेहतर आय वाले रोजगार में बदलना होगा। कृषि पर मौसमी निर्भरता कम करने के लिए ग्रामीण उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन देना होगा। दूसरी ओर, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी में मामूली वृद्धि बताती है कि नियमित और वेतनभोगी नौकरियों के अवसर बढ़ाने की जरूरत बनी हुई है। रोजगार के इन आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की दिशा में सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि नहीं माना जा सकता। असली लक्ष्य ऐसे रोजगार पैदा करना है जो नियमित हों, सम्मानजनक आय दें और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े हों। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को भी शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, सुरक्षित कार्यस्थल और समान अवसरों के माध्यम से और गति देनी होगी। रोजगार के अवसरों का विस्तार और महिलाओं की आर्थिक सक्रियता साथ-साथ बढ़ेगी, तभी विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचेगा।



मुद्दा
ओमकार चौधरी

केवल दिवाली प्रदूषण का कारण नहीं

दिवाली के पटाखे उत्तर भारत की ज़हरीली हवा का एक कारण हैं, अकेला कारण नहीं। पटाखों का धुआं कुछ दिनों का उछाल लाता है, जबकि दिल्ली और सिंधु-गंगा के मैदान में प्रदूषण अक्टूबर से फ़रवरी तक बना रहता है। पिछली सर्दी में 1 अक्टूबर 2025 से 28 फ़रवरी 2026 के बीच दिल्ली में केवल सात दिन ऐसे रहे, जब हवा 'अच्छी' या 'संतोषजनक' श्रेणी में थी। वैज्ञानिक इसकी वजह दो चीज़ों के मेल को मानते हैं। पहली, उत्सर्जन के वे स्रोत जो साल भर चलते हैं। दूसरी, सर्दी का मौसम, जो धुएं को ज़मीन के पास क़ैद कर देता है। सामान्य दिनों में ऊंचाई के साथ हवा ठंडी होती जाती है और ज़मीन की गर्म हवा धुएं को लेकर ऊपर उठ जाती है।

सर्दी की रातों में ज़मीन तेज़ी से ठंडी होती है और ठंडी हवा की परत के ऊपर गर्म हवा की परत आ जाती है। इसे तापमान व्युत्क्रमण कहते हैं। यह गर्म परत ढक्कन की तरह प्रदूषकों को ऊपर नहीं जाने देती। इसी के साथ वह ऊंचाई घट जाती है, जहां तक प्रदूषक फैल सकते हैं। गर्मियों में यह दो से चार किलोमीटर होती है, सर्दियों में कुछ सौ मीटर रह जाती है। उतना ही धुआं बहुत कम हवा में सिमट जाता है। हवा की गति भी धीमी रहती है और मानसून के बाद बारिश नहीं होती, इसलिए कण न बहकर निकलते हैं, न धुलते हैं। नमी और कोहरे में गैसें रासायनिक क्रिया से सल्फेट और नाइट्रेट के महीन कणों में बदलती हैं और स्मॉग बनता है। भूगोल इस संकट को और गहरा करता है। सिंधु-गंगा का मैदान चारों ओर ज़मीन से घिरा है, उत्तर में हिमालय हवा का रास्ता रोकता है और दिल्ली तक समुद्री हवा नहीं पहुंचती। पटाखे प्रदूषण के कई स्रोतों में से एक हैं और उनका असर दिवाली के आसपास के कुछ दिनों तक रहता है। बाक़ी स्रोत पूरे मौसम, बल्कि पूरे साल सक्रिय रहते हैं। इनमें सबसे पहले वाहन हैं, जिनसे पेट्रोल-डीज़ल का धुआं और टायर-ब्रेक के घिसने से बने कण निकलते हैं। उद्योग, ताप बिजली घर और ईंट भट्ठे कोयला और अन्य ईंधन जलाकर गैसें और कण छोड़ते हैं। अक्टूबर-नवंबर में उत्तर-पश्चिमी हवाएं पंजाब और हरियाणा की पराली का धुआं दिल्ली-एनसीआर तक लाती हैं, हालाँकि इसका हिस्सा चरम दिनों में ऊंचा और पूरे मौसम के औसत में कम रहता है। सड़कों और निर्माण कार्य की धूल, ठंड में तापने के लिए जलती लकड़ी, उपले और कोयला, खुले में जलता कचरा और लैंडफिल की आग इस सूची को पूरा करते हैं। अध्ययनों में हर स्रोत के हिस्से के आंकड़े अलग-अलग हैं। फिर भी वे एक बात पर सहमत हैं: दिल्ली के प्रदूषण का बड़ा हिस्सा शहर की सीमा के बाहर से आता है। प्रदूषण अकेले दिल्ली की समस्या नहीं है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के मार्च 2026 के विश्लेषण में निगरानी वाले 238 शहरों में से 204 में पीएम 2.5 का स्तर राष्ट्रीय मानक से ऊपर मिला। सबसे ऊपर गाजियाबाद रहा, जहां स्तर लगभग 172 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। उसके बाद नोएडा (166) और दिल्ली (163) रहे, जबकि दैनिक मानक 60 है। सबसे अधिक प्रभावित पट्टी पंजाब से पश्चिम बंगाल तक फैला सिंधु-गंगा का मैदान है। लुधियाना, रोहतक, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, पटना और कोलकाता सब इसी में आते हैं। इसके बाहर राजस्थान का भिवाड़ी, असम-मेघालय सीमा का बर्नीहाट और



सिंगरौली, कोरबा, धनबाद जैसे खनन और बिजलीघर वाले इलाक़े भी गंभीर रूप से प्रभावित हैं। दक्षिण और तटीय भारत की स्थिति बेहतर है। मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में स्तर तुलनात्मक रूप से कम रहा। कर्नाटक का चामराजनगर लगभग 19 माइक्रोग्राम के साथ सबसे स्वच्छ शहरों में गिना गया। सेहत के लिए सबसे बड़ा ख़तरा पीएम 2.5 के महीन कण हैं, जो फेफड़ों की गहराई तक और वहाँ से ख़ून में पहुंच जाते हैं। शरीर इन्हें बाहरी हमला मानकर सूजन पैदा करता है और लंबे समय तक बनी यही सूजन बीमारियों की जड़ बनती है। तुरंत असर आंखों की जलन, खांसी, सांस फूलने और दमे के दौरों के रूप में दिखता है। लंबे समय में यह फेफड़ों के कैंसर, दिल के दौरे, स्ट्रोक और डायबिटीज़ का जोखिम बढ़ाता है। बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुज़ुर्ग और दिन भर सड़क पर काम करने वाले लोग सबसे अधिक जोखिम में हैं। आंकड़े इस बोझ का आकार बताते हैं। स्टेट ऑफ़ ग्लोबल एयर 2025 के अनुसार 2023 में भारत में 20 लाख से अधिक मौतें वायु प्रदूषण से जुड़ी थीं। 2021 में पांच साल से कम उम्र के 1,69,400 बच्चों की मौतें इससे जुड़ी पाई गईं। लैंसेट काउंटडाउन ने 2022 में असमय मौतों की आर्थिक क़ीमत 339.4 अरब डॉलर आंकी, जो GDP का 9.5 प्रतिशत है। शिकागो विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण औसत भारतीय की उम्र 3.5 साल घटा रहा है। दिल्ली में यह कमी 8.2 साल, बिहार में 5.6, हरियाणा में 5.3 और उत्तर प्रदेश में 5 साल आंकी गई है। तुलना के लिए, इसी रिपोर्ट में कुपोषण से 1.6 साल और तंबाकू से 1.5 साल की कमी बताई गई है। दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे प्रदूषित क्षेत्र है। आईक्यूएयर की 2025 की रिपोर्ट में पाकिस्तान पहले, बांग्लादेश दूसरे और भारत छठे स्थान पर रहा। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर गाजियाबाद का लोनी रहा, जहां पीएम2.5 का सालाना औसत 112.5 माइक्रोग्राम दर्ज हुआ। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के केवल 14 प्रतिशत शहर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक पर खरे उतरे। चीन इस बात का उदाहरण है कि हालात बदले जा सकते हैं। बीजिंग में पीएम 2.5 का सालाना औसत 2013 में 89.5 माइक्रोग्राम था। चीन के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025 में यह 27 रह गया, यानी लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट। भारत के मानक डब्ल्यूएचओ से काफ़ी ढीले हैं। पीएम 2.5 की सालाना सीमा भारत में 40 माइक्रोग्राम है और डब्ल्यूएचओ की पांच। 46 प्रतिशत भारतीय ऐसे इलाक़ों में रहते हैं, जहां हवा भारत के अपने मानक से भी ख़राब है। 2019 में शुरू हुए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में 131 शहर शामिल हैं।

आईक्यूएयर की रिपोर्ट के अनुसार इसका 64 प्रतिशत पैसा सड़क की धूल घटाने पर ख़र्च हुआ, जबकि उद्योग और वाहनों के उत्सर्जन पर एक से 13 प्रतिशत तक। दिल्ली-एनसीआर में हवा बिगड़ने पर ग्रैप के तहत निर्माण रोकने, ट्रकों का प्रवेश बंद करने और स्कूल ऑनलाइन करने जैसी पाबंदियां लगती हैं। ये आपात उपाय हैं और स्रोतों को नहीं घटाते। तात्कालिक प्रयोगों के नतीजे भी सीमित रहे हैं। अक्टूबर 2025 में दिल्ली में कृत्रिम वर्षा के परीक्षणों से उल्लेखनीय बारिश नहीं हुई। ऑड-ईवन का असर अध्ययनों में सीमित और अस्थायी पाया गया। उत्तर भारत में पीएम 2.5 का सालाना औसत मानक से ऊपर रहता है और गांवों में चूल्हे का धुआं घर के भीतर की हवा बिगाड़ता है। बचाव के लिए ठीक से फ़िट किया गया एन95 मास्क और बंद कमरे में एचइपीए फ़िल्टर वाला प्यूरीफ़ायर कारगर हैं, पर ये इलाज नहीं, सिर्फ़ ढाल हैं। आंकड़े साफ़ हैं। पटाखों पर रोक कुछ दिनों की राहत दे सकती है, पर हवा तभी सुधरेगी जब वाहन, उद्योग, कोयला, पराली और धूल जैसे स्रोतों पर साल भर काम हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन
डॉ. मोनिका शर्मा



आपराधिक आंकड़े बढ़ाता है क्षणिक आक्रोश

तकनीकी विकास और जीवनशैली के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते समाज में मानवीय व्यवहार में उपजा बेवजह का आक्रोश आपराधिक आंकड़े रहा है। सहज सी बातों को लेकर हो रहे विवाद जान लेने तक जा पहुंच जाते हैं। विवेक और आत्म-नियंत्रण को खो देने के परिणामस्वरूप मन-मस्तिष्क का यह अंधकार और विस्तार ही पा रहा है। हाल में हरियाणा के फरीदाबाद में पार्किंग को लेकर हुए विवाद में सिंगापुर की एक सॉफ्टवेयर कंपनी में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वैवाहिक समारोह में शामिल होने भारत आए परमजीत की मात्र पार्किंग की जगह और वहां कुत्ते को शौच कराने की बात को लेकर हुई कहासुनी के कारण जान ले ली गई। इन्हीं दिनों अहमदाबाद में सब्जी को लेकर हुए मामूली विवाद में पत्नी ने अपने सेवानिवृत्त फौजी पति की चाकू मारकर हत्या कर दी। वहीं कानपुर में भी क्षणिक आक्रोश के कारण हुई एक दर्दनाक घटना में पानी मांगने को लेकर हुए विवाद में पति ने पत्नी के सिर पर लकड़ी का पटरा मारकर उसकी हत्या कर दी। क्षणिक आक्रोश यानी पल भर का क्रोध समाज और परिवार में गंभीर अपराधों का अहम कारण बन गया है। पल भर के गुस्से में लोग दूसरों का जीवन छीनने से नहीं चूक रहे।

इतना ही नहीं, क्षणिक आवेश में स्वयं अपनी जान लेने के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। कभी पालतू जानवरों को लेकर कहासुनी तो कभी बच्चों से जुड़े मामलों पर बहसबाजी। कहीं पड़ोसियों में घर की बाड़ या दीवार को लेकर विवाद तो कहीं एक ही घर के करीबी संबंधियों में तकरार। कहीं सड़क पर गाड़ी का छू जाना या आगे निकल जाना तो कहीं दुकान पर लेन-देन को लेकर कहासुनी होना। आम सी बात पर शुरू हुई नोकझोंक के कारण आया क्रोध लोगों को जीवन भर के लिए सलाखों के पीछे धकेलने वाला साबित हो रहा है। साथ ही मन-मस्तिष्क की क्षणिक दिशाहीनता किसी अन्य का जीवन समाप्त करने की वजह तो बनती ही है। विडम्बना ही है कि मामूली विवाद भी हिंसक रूप ले रहे हैं। जिसके चलते छोटी सी बात बड़े अपराध के रूप में सामने आती है। चिंतनीय है कि क्षणिक रोष और असंतोष का यह मेल महानगरों से लेकर गांवों-कस्बों तक आपराधिक घटनाओं के आंकड़े बढ़ा रहा है। शिक्षित और अशिक्षित हर वर्ग, हर उम्र के लोग इन घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और कई सामाजिक अध्ययनों के साझे आंकड़े बताते हैं कि बहुत से मामलों में हत्या, हत्या के प्रयास और गंभीर मारपीट की घटनाएं किसी पुरानी दुश्मनी के कारण नहीं, बल्कि मामूली सी बात पर उपजे आक्रोश के कारण होती हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार साल 2022 में हत्या के सबसे अधिक मामलों का कारण मामूली विवाद था। पुलिस रिकॉर्ड भी बताते हैं कि कई घटनाओं के पीछे कोई सुनियोजित साजिश नहीं होती। बड़ी संख्या में हत्याओं का कारण उस पल में उपजा गुस्सा ही होता है। ध्यातव्य है कि कुछ साल पहले तक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो रोड रेज की घटनाओं के कोई आंकड़े ही नहीं रखता था। पहली बार साल 2016 में इस श्रेणी में आने वाले आंकड़े जुटाए गए। या यूं कहें कि जुटाने पड़े क्योंकि गली-मोहल्लों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक ऐसी घटनाएं होने लगीं। अब तो तात्कालिक गुस्से के कारण सड़क से लेकर सामाजिक-पारिवारिक समारोहों तक, आए दिन ऐसे दर्दनाक मामले देखने में आ रहे हैं।वस्तुतः, यह क्षणिक दिशाहीनता समग्र समाज के लिए चिंता का विषय है। वैचारिक मतभेद के प्रति असहिष्णु होने, अहंकारी सोच और सोशल मीडिया के कारण वर्चुअल छवि को देखने-जीने के आदी होते लोग मामूली कहासुनी के कारण अपराध कर रहे हैं।

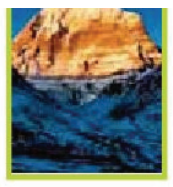
हालांकि बाद में पछतावा ही हाथ आता है। अहमदाबाद के मामले में घटना के बाद पत्नी ने स्वयं अपने देवर को बताया कि झगड़े के दौरान उसने अपने पति के सीने में चाकू मार दिया है। साथ ही वह बेहोश हुए पति को इलाज के लिए अस्पताल भी ले जा रही है। समझना कठिन नहीं, आवेग का ज्वार उतरते ही हर इंसान को अपनी भूल समझ आती है पर कई घटनाओं में भूल सुधारने का कोई रास्ता नहीं बचता। निस्संदेह, छोटी सी बात को लेकर हत्या और बर्बरता से मारपीट करने के दिल दहलाने वाले आपराधिक आंकड़े बदलते मानवीय व्यवहार को लेकर कई प्रश्न उठाते हैं। बात परिस्थिति की हो या कोई विशेष कारण। हर जगह अपनी बात कहने-मनवाने के व्यवहार का जड़ें जमाना वाकई दुःखद है। ऐसे में संयम, सहज बर्ताव और सधा संवाद ही ऐसी घटनाओं पर लगाम लगा सकता है।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर मानव में शुभ व अशुभ इच्छाएं होती हैं



शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश का अर्थ ही है कि जहां केवल उत्सव हो, केवल आनंद हो। श्रावण के महीने में संपूर्ण वातावरण उत्सव से भर जाता है। शिव-तत्व अपने चरम पर होता है, यह सहजता से उपलब्ध होता है। इसलिए यह मास भगवान शिव की पूजा करने के लिए सर्वोत्तम मास है। हमारे प्राचीन ऋषि अत्यंत



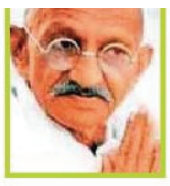
संकलित
दर्शन

बुद्धिमान थे। वे जानते थे कि हर मानव के भीतर इच्छाएं होती हैं, कुछ शुभ और कुछ अशुभ। जीवन में प्रगति के लिए आवश्यक है कि शुभ इच्छाएं फलित हों। विवेक के उपयोग से मनुष्य यह निर्णय ले सकता है कि कौन-सी इच्छाएं उसके लिए लाभदायक हैं और उन इच्छाओं को प्राप्त करने के लिए क्या कार्य कर सकता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी हो सकता है कि व्यक्ति चाहे कितना भी प्रयत्न कर ले, लेकिन वह अपने इच्छित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाता है। उसे मार्ग में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कारण विविध हो सकते हैं, कुछ अत्यंत सूक्ष्म, कुछ अधिक सूक्ष्म नहीं। ऋषियों ने इस समस्या पर विचार किया और एक अद्भुत समाधान निकाला। उन्होंने मानव कल्याण के लिए संकल्प और पूजा की प्रक्रिया तैयार की। पूजा आरंभ करने से पूर्व पूजा करने वाले यजमान द्वारा संकल्प लिया जाता है। संकल्प वह विशिष्ट उद्देश्य है, जिसके लिए पूजा आयोजित की जा रही है। संकल्प का उच्चारण करने से पहले स्थान (देश) और समय (काल) को परिभाषित किया जाता है, जहां पूजा आयोजित की जा रही है।

जब कोई गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करें



महात्मा गांधी के बचपन का चर्चित किस्सा है। जब गांधी जी छोटे थे, तब एक दिन उन्होंने अपने ही घर में चोरी कर ली थी। इस बारे में गांधी जी ने भी खुद जिक्र किया था। बालक मोहनदास ने बड़े भाई के सोने के कड़े में से कुछ सोना निकाल लिया था। मोहनदास अपनी कुछ जरूरतें पूरी करना चाहते थे, जिसके लिए उन्हें धन की



संकलित
प्रेरणा

जरूरत थी। उन्होंने चोरी कर ली, लेकिन बाद अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्हें बहुत पछतावा हुआ। वे सोचने लगे कि अब इस गलती को किसके सामने स्वीकार किया जाए? मोहनदास ने पिता के सामने गलती स्वीकार करने का निश्चय किया। उन्हें डर भी लग रहा था कि अगर चोरी के बारे में बताऊंगा तो सजा भी मिलेगी। मोहनदास ने डरते-डरते अपने पिता को एक चिट्ठी लिखी, चिट्ठी में उन्होंने अपनी गलती के बारे में लिखा था। जब मोहनदास के पिता को चिट्ठी मिली तो उन्होंने उसे पढ़ा। चिट्ठी में पूरी बात लिखने के साथ ही लिखा था कि मैंने गलती की है और मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं, मैं इसकी सजा मानने के लिए भी तैयार हूं। जैसे ही मोहनदास के पिता ने चिट्ठी पढ़ी तो उनकी आंखों से आंसु आ गए और वे मौन हो गए। जबकि मोहनदास ने सोचा था कि पिता से डांट पड़ेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिता के मौन ने गांधी जी की सोच बदल दी, इस घटना के बाद से ही संसार को महात्मा गांधी के रूप में सबसे ईमानदार व्यक्ति मिल गया।

अंतर्मन



आज की पाती

विज्ञान का ज्ञान मानव हित के लिए प्रयोग हो

10 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शांति और विकास भी है। अर्थात शांति और विकास के कामों में विज्ञान की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना इसका उद्देश्य है। अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है। विज्ञान ने इनसान की जिंदगी बहुत आरामदायक बना दी है। संचार क्रांति, डिजिटल क्रांति और अन्य बहुत सी भौतिकतावादी वस्तुएं जो विज्ञान की तरफ से हमें मिली हैं, वो हमारे लिए सुख तो पहुंचाती हैं, लेकिन इनमें से बहुत सी हमारे लिए नुकसानदायक भी हैं। विज्ञान और नई तकनीक का प्रयोग उचित तरीके से किया जाए तो वो वरदान है, अन्यथा वो अभिशाप बनेगी। - *शालु समस्वाल, पानीपत*

ट्रेंड

मुफ्त एलपीजी सिलेंडर



दिल्ली की मेरी लाखों माताओं और बहनों को दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर का उपहार मिलने पर हार्दिक बधाई। आज 15 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक परिवारों के बैंक खातों में सीधे 142 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की गई, ताकि उन्हें मुफ्त एलपीजी सिलेंडर मिल सके।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

वायु प्रदूषण



हम वायु प्रदूषण के मामले में 'विश्वगुरु' क्यों बनते जा रहे हैं? अधूरे उपाय, दिखावे के काम, झूठे वादे और एक-दूसरे पर आरोप लगाना - यही तो भाजपा की पहचान बन गई है! पीएम मोदी ने इसे एक "बड़ी चुनौती" बताया था, लेकिन उनकी सरकार ने इस दिशा में कुछ भी नहीं किया है!
- **मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

जनता का समर्थन



आज, जब भारत दुनिया के मंच पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और तमाम बाधाओं व तूफानों को पीछे छोड़ रहा है, तो कांग्रेस पार्टी जिसने जनता का समर्थन खो दिया है, इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है
- **धर्मेंद्र प्रधान,** सांसद, बीजेपी

हालात बदतर



यह दुखद और निंदनीय है कि केंद्र और दिल्ली सरकार उस प्रदूषण को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है, जो दिल्ली का दम घोंट रहा है। हालात हमेशा से खराब थे। एक दशक में ये और भी बदतर हो गए हैं।
- **पी. चिदंबरम,** सांसद, राज्यसभा



करंट अफेयर

रूस के अखबार ने तीन दशक बाद मॉस्को कार्यालय किया बंद

रूस के सबसे चर्चित स्वतंत्र समाचार पत्रों में शामिल 'नोवाया गजेटा' ने सरकारी अधिकारियों के लगातार दबाव का हवाला देते हुए सोमवार को मॉस्को स्थित अपना कार्यालय बंद कर दिया। यह रूस में क्रेमलिन की आलोचना करने वाला आखिरी सक्रिय प्रमुख स्वतंत्र मीडिया संस्थान था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा फरवरी 2022 में यूक्रेन में सैनिक भेजे जाने के बाद अन्य स्वतंत्र मीडिया संस्थान या तो बंद हो गए थे या अपना कामकाज विदेशों से करने लगे। अखबार ने 30 अक्टूबर को जारी एक बयान में कहा कि रूस के अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों ने उसके संपादकीय दल को कामकाज बंद करने के लिए मजबूर किया है। 'नोवाया गजेटा' ने कहा, 'इस देश में मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया है और अब उनका बचाव करने को अपराध माना जाता है। चुनाव और निर्वाचित संस्थाओं को प्रभावी रूप से खत्म कर दिया गया है, नागरिक संस्थानों का सफाया हो चुका है और अंतरात्मा की स्वतंत्रता तथा मानवीय गरिमा को पैरों तले कुचल दिया गया है। 'नोवाया गजेटा' 1993 में शुरू हुआ था और जल्द ही अपनी पत्रकारिता और रूस में मानवाधिकारों के उल्लंघन व भ्रष्टाचार को उजागर करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाने लगा।



ऑफ बीट

कैंसर की शुरुआती पहचान 'गैलरी' जांच से संभव

गैलेरी जांच शुरुआती अवस्था में एक साथ कई प्रकार के कैंसर का पता लगाने वाली जांचों की एक नयी श्रेणी में शामिल है। ये जांचें कैंसर का निश्चित निदान नहीं करतीं। यदि जांच में कैंसर होने का संकेत मिलता है, तो इसकी पुष्टि करने के लिए आगे की जांच जरूरी होती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि व्यक्ति को वास्तव में कैंसर है या नहीं और यदि है, तो वह किस प्रकार का है। इसे बीमारी की शुरुआती पहचान के लिए की जाने वाली जांच के रूप में पेश किया जाता है। इसकी तुलना स्तन कैंसर की पहचान के लिए मैमोग्राफी या प्रोस्टेट कैंसर की जांच के लिए पीएसए जांच से की जा सकती है। गैलेरी का संभावित लाभ यह है कि इससे एक ही बार में कई तरह के कैंसर का पता लगाने की कोशिश की जाती है। गैलेरी जांच खून में मौजूद डीएनए के उन छोटे-छोटे अंशों की तलाश करती है, जिनका संबंध कैंसर से होता है। जब किसी व्यक्ति के डीएनए में गड़बड़ी आती है, तो इसकी वजह वंशानुगत उत्परिवर्तन या पर्यावरण से जुड़ा कोई कारक हो सकता है। ऐसी गड़बड़ी से कोशिकाओं के विभाजन को नियंत्रित करने वाली प्रक्रियाएं प्रभावित हो सकती हैं। इसके परिणामस्वरूप कोशिकाओं का अनियंत्रित विभाजन शुरू हो सकता है और कैंसर कोशिकाएं पनपने लगती हैं।



खबर संक्षेप

मंत्री जितेंद्र सिंह तीन दिवसीय इटली दौरे पर

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और पीएम कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर इटली के लिए रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य यूरोप के साथ भारत के वैज्ञानिक जुड़ाव को मजबूत करना तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को आगे बढ़ाना है। इस यात्रा के दौरान उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकें की जाएंगी।



डेप्टी पीएम डार के पोते पर दुष्कर्म का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में डेपुटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार के पोते रजा डार समेत आठ लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लाहौर की एक अदालत ने दो विदेशी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म और उन्हें बंधक बनाने के मामले में सभी आठ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। खास बात यह है कि इस मामले में पुलिस पहले इशाक डार के पोते और उसके चार दोस्तों को क्लीन चिट दे चुकी थी।



अमेरिका का दावा, न्यूयॉर्क की जेल से ब्रिटिश एयरबेस पर रची थी हमले की साजिश

3 आतंकियों के खिलाफ आरोप तय, ईरानी सेना और आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से रहे हैं संबंध

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिकी प्राधिकारियों ने यूरोप एवं अमेरिका में यहूदी समुदायों और ब्रिटेन के सैन्य अड्डे आरएएफ फेयरफोर्ड को निशाना बनाकर करीब 20 आतंकवादी हमले करने की साजिश रचने के आरोप में मंगलवार को तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। मैनहट्टन की संघीय अदालत में सार्वजनिक किए गए अभियोग पत्र में ईरान और इराक की दोहरी नागरिकता रखने वाले मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी, ईरानी नागरिक मोहसिन मोहाजेरी और इराकी नागरिक मोहम्मद अली अल-हसानी के खिलाफ आरोपों का विवरण दिया गया है। दावा है कि तीनों के ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और इराक के संगठन कताइब हिजबुल्लाह से संबंध थे।

आरोपी सादी ने इराक में अपनी मां और बहन से बातचीत के दौरान सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल कर अपने सहयोगियों तक संदेश पहुंचाए



मोहम्मद बाकेर अल-सादी (बाएं) और ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी

एयरबेस के पास मिली थीं 3 संदिग्ध गाड़ियां

न्यूयॉर्क में अमेरिकी अटॉर्नी जेमी मैकडोनाल्ड ने एक बयान में कहा कि मई में गिरफ्तार किए जाने के बावजूद अल-सादी सितंबर में ब्रिटेन के फेयरफोर्ड स्थित रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) अड्डे पर आतंकवादी हमले की कोशिश से पहले तक अपने सह-आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रचता रहा। इस सैन्य अड्डे पर अमेरिकी बमवर्षक विमान और सैनिक तैनात थे। न्यूयॉर्क में आतंकवाद के आरोप में जेल में बंद अल-सादी ने ब्रिटेन के हवाई अड्डे पर हमले की योजना बना रहे ईरानी एजेंटों तक गुप्त संदेश पहुंचाए थे। अभियोजकों के अनुसार, अल-सादी ने इराक में अपनी मां और बहन से फोन तथा वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल कर अपने सहयोगियों तक संदेश पहुंचाए और उन्हें हवाई अड्डे पर बम हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया। 27 सितंबर को एयरफोर्स के फेयरफोर्ड एयरबेस के पास तीन संदिग्ध वैन मिली थीं।

हत्या की साजिश से बेसेंट ने छोड़ा घर

ईरान से जान का खतरा होने के बाद अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने वॉशिंगटन डीसी के पास स्थित अपना घर छोड़ दिया है। वह अब एक सैन्य अड्डे पर रह रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल के हफ्तों में निष्कर्ष निकाला कि मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के खिलाफ ईरान की साजिशें पहले से ज्यादा गंभीर स्तर पर पहुंच गई हैं। यह आकलन कुछ हद तक बेसेंट को मिली धमकियों से जुड़ी खुफिया जानकारी पर आधारित है।



पाक ने अमेरिकी विमान को नहीं उतरने दिया

पाकिस्तान ने मंगलवार को अमेरिका के एक डिपोर्टेशन विमान को अपने यहां उतरने की इजाजत नहीं दी। इस विमान में कम से कम 9 ईरानी नागरिक सवार थे, जिन्हें पाकिस्तान के रास्ते ईरान भेजा जाना था। पाकिस्तान के अचानक इनकार के बाद विमान को बीच रास्ते से ही अमेरिका लौटना पड़ा। मंगलवार दोपहर तक सभी ईरानी नागरिकों को विमान से उतारकर एरिजोना के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में वापस भेज दिया गया।

ईरान ने परमाणु गतिविधियां शुरू की तो करेंगे कार्रवाई



अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान अपने क्षतिग्रस्त परमाणु स्थलों पर फिर से गतिविधियां शुरू करता है तो ट्रंप प्रशासन कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि युद्धविराम का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका ईरान पर नजर रखना बंद कर देगा। हेगसेथ ने कहा कि हम उन परमाणु ठिकानों पर निगरानी और नजर बनाए रखने में सक्षम हैं।

ईरान में महिलाओं के लिए वार ट्रेनिंग कैंप खुला



अमेरिकी हमलों की आशंका के बीच ईरान ने अपना पहला पूर्ण महिला सैन्य प्रशिक्षण शिविर खोल दिया है। ईरान के लिए अपने जीवन का बलिदान देने की इच्छुक महिलाएं तेहरान के आजादी स्क्वायर पर सैन्य अभ्यास में जुटी हुई हैं। अमेरिका के साथ तनाव के बीच, ईरान ने तेहरान में महिला आर्मी तैयार कर ली है।

ईरान ने नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी दिखाई



ईरान की आईआरजीसी ने नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का वीडियो जारी किया है। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ उन्हें लॉन्च करने वाले सिस्टम भी रखे दिखाई दिए। इसके उद्घाटन में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही और आईआरजीसी के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मौसवी शामिल हुए थे।

ड्रग पॉलिसी वर्किंग ग्रुप की दूसरी बैठक

सिंथेटिक ड्रग्स की तस्करी रोकने भारत-यूएस ने बढ़ाया 'सहयोग'



भारत-अमेरिका के बीच हुई बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का पता लगाने और सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों को अवैध आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंचने से रोकने के लिए सहयोग बढ़ा रहे हैं। व्हाइट हाउस ने दोनों देशों के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद जारी बयान में यह जानकारी दी।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण नीति कार्यालय (ओएनडीसीपी) के अनुसार, 2 और 3 नवंबर को नई दिल्ली में भारत-अमेरिका ड्रग पॉलिसी एग्जीक्यूटिव वर्किंग ग्रुप की दूसरी बैठक हुई। इसमें खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, समन्वित कानून प्रवर्तन अभियानों और दवा आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने तस्करी के उभरते खतरों और मादक पदार्थों की मांग कम करने के उपायों पर भी चर्चा की।

सप्लाई नेटवर्क को करेंगे ध्वस्त

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों देश सहयोग के वादों से आगे बढ़कर व्यावहारिक कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध रासायनिक पदार्थों की आपूर्ति रोकने, वाणिज्यिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और इनका दुरुपयोग करने वाले तस्करी गिरोहों को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अनुराग गर्ग ने भारत के 'विजन रोडमैप 2026-2029' की जानकारी दी। इसमें केवल मादक पदार्थों की खेप पकड़ने के बजाए पूरे आपराधिक नेटवर्क की जांच पर जोर दिया गया है। इसके तहत गिरोहों के वित्तपोषकों, आपूर्तिकर्ताओं, मददगारों और परिवहन नेटवर्क को निशाना बनाने के साथ वित्तीय जांच, नशा रोकथाम और पुनर्वास पर भी ध्यान दिया जाएगा। बैठक में भारत की दो प्रवर्तन पहलों 'ऑपरेशन मेडमैक्स' और 'ऑपरेशन वाइप' पर भी चर्चा हुई।

'ऑपरेशन मेडमैक्स' की दी जानकारी

जुलाई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन मेडमैक्स' में एनसीबी और अमेरिकी ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) की संयुक्त खुफिया जानकारी का इस्तेमाल किया गया था। इस अभियान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियंत्रित दवाओं की बिक्री करने वाले एक गिरोह का पता चला। एनसीबी के अनुसार, यह नेटवर्क एशिया, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में सक्रिय था। जांच की शुरुआत भारत में 3.7 किलो ट्रामाडोल टैबलेट की जब्ती से हुई थी। जांचकर्ताओं के मुताबिक, गिरोह ऑनलाइन बिजनेस-टू-बिजनेस प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान और अंतरराष्ट्रीय बिचौलियों के माध्यम से वैध दस्तावेजों के बिना दवाओं का वितरण कर रहा था।

भारत-कनाडा के बीच सीईपीए पर चर्चा तेज

आर्थिक साझेदारी होगी मजबूत बाजार तक बढ़ेगी सबकी पहुंच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



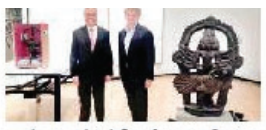
मनिंदर सिद्धू और पीयूष गोयल

भारत और कनाडा ने अपने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा। गोयल ने 'एक्स' पर बताया कि उन्होंने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ नाश्ते पर बैठक की। इस दौरान भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर बातचीत को तेज करने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत की घर वापसी

तीन प्राचीन कलाकृतियां और मूर्तियां ऑस्ट्रेलिया ने सौंपी

एजेंसी ▶▶ कैनबरा



कैनबरा में सौंपी गई कलाकृतियां

नेशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने तीन प्राचीन भारतीय कलाकृतियां कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग को सौंप दी हैं। यह हस्तांतरण जुलाई 2026 में तीसरे वार्षिक लीडर्स समिट के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज के बीच हुए वादे के तहत किया गया है। इन कलाकृतियों में देवी भद्रकाली के कांसे का त्रिशूल, नंदी की ग्रेनाइट प्रतिमा और छह सिर वाले कार्तिकेय की बेसाल्ट पत्थर मूर्ति शामिल है। भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने के जो प्रयास कर रहा है, उसमें यह एक बड़ा कदम है। भारतीय मिशन ने 'एक्स' में कहा कि जुलाई 2026 में तीसरे वार्षिक 'लीडर्स समिट' के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और एंथनी अल्बनीज के बीच प्राचीन कलाकृतियों को लौटाने पर सहमति बनी थी।

रोजगार के अवसर सृजित होंगे

आईएनएस बेतवा पोत की बढ़ेगी ताकत

मरम्मत एवं पुनर्संचालन के लिए रक्षा मंत्रालय ने किया 500 करोड़ का करार

नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के पोत आईएनएस बेतवा की सामान्य मरम्मत एवं पुनर्संचालन के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ 498.58 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध पर 11 नवंबर, 2026 को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस अनुबंध के तहत भारतीय नौसेना के ब्रह्मपुत्र श्रेणी के युद्धपोत आईएनएस बेतवा की प्रणोदन प्रणाली में व्यापक बदलाव किया जाएगा।



रक्षा सचिव राजेश सिंह की उपस्थिति में एमओयू

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मिलेगी गति

इस परियोजना में 50 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी होने की उम्मीद है। साथ ही, भारतीय जहाज निर्माण उद्योग और उससे जुड़े सहायक क्षेत्रों में रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित होंगे।

लगेगा डीजल इंजन

इसके अंतर्गत पोत की मौजूदा भाप आधारित प्रणोदन प्रणाली को डीजल इंजन आधारित प्रणोदन प्रणाली से प्रतिस्थापित किया जाएगा। इस मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य में आधुनिक हथियार प्रणाली की स्थापना के माध्यम से पोत की युद्धक क्षमताओं को बढ़ाना भी शामिल होगा, जिससे इसकी परिचालन क्षमता और प्रभावशीलता में बढ़ोतरी होगी।

देशराज उर्फ मनीष की मौत के मामले में नया मोड़, परिजनों ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के लालाबाग निवासी देशराज उर्फ मनीष की मौत के मामले में नया मोड़ सामने आया है। मृतक के परिजनों ने भुवर चौकी के दरोगा पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि मनीष का वीडियो वायरल होने के बाद वे भुवर चौकी पहुंचे थे। वहां चौकी इंचार्ज ने मामला अपने क्षेत्र का न होने की बात कहते हुए उन्हें थाने जाने को कहा। इसके बाद परिजन पारा थाने पहुंचे, जहां से भी उन्हें दूसरे क्षेत्र का मामला बताकर वापस भेज दिया गया। परिजनों का कहना है कि यदि पुलिस ने समय रहते मोबाइल नंबर को ट्रेस कर मनीष की तलाश की होती तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। काफी तलाश के बाद भुवर चौकी से परिजनों को फोन कर एक स्कूटी और शव मिलने की जानकारी दी गई। इसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। परिवार वालों ने आरोप लगाया कि भुवर चौकी के दरोगा कई बार दिन और रात में उनके घर आते थे और मनीष को गाली देने, मारपीट करने, पैसे मांगने तथा एनकाउंटर की धमकी देने जैसी घटनाएं होती थीं। परिजनों का दावा है कि मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों में पुलिसकर्मियों के आने-जाने की फुटेज भी मौजूद है। परिजनों के मुताबिक, सपना और नेहा नाम की युवतियों ने मनीष पर जेवर चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए बुलाया था। आरोप है कि एक दिन पहले मनीष के साथ मारपीट की गई और पैसे लेकर उसे छोड़ दिया गया। परिवार का कहना है कि लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर मनीष ने वीडियो बनाकर वायरल किया था, जिसमें उसने अपनी परेशानी और पीड़ा बयां की थी। मृतक की पत्नी ने भी आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी दिन और रात में घर आकर उनके पति को परेशान करते थे। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। दोषी पुलिसकर्मियों को नहीं हटाया तो होगा बड़ा प्रदर्शन : संजय कुमार लोधी लोधी क्षत्रिय राजपूत सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार लोधी ने मामले में निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दुर्गा मंदिर चौराहे पर फोरलेन हाईवे का खुला कट बना हादसों का खतरा, बंद कराने की मांग

कालपी (जालौन)। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पर कालपी के दुर्गा मंदिर चौराहे के समीप फोरलेन हाईवे के डिवाइडर में बना अनाधिकृत कट दुर्घटनाओं का सबब बनता जा रहा है। व्यस्त चौराहे पर खुले इस कट के कारण वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना प्रबंधक सहित संबंधित उच्चाधिकारियों से कट को तत्काल बंद कराने की मांग की है। दुर्गा मंदिर चौराहा नगर के प्रमुख और व्यस्ततम स्थानों में शामिल है। यहां आसपास व्यावसायिक प्रतिष्ठान, आवासीय बस्तियां और धार्मिक स्थल होने के कारण दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के साथ दुकानदारों, ग्राहकों और स्थानीय नागरिकों का लगातार आवागमन होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे के डिवाइडर में बनाए गए कट से वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार अचानक सड़क पार करते हुए दूसरी दिशा में जाने लगते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहनों के सामने अचानक दूसरे वाहन आ जाने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए यह स्थान जोखिमपूर्ण साबित हो रहा है। नागरिकों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे व्यस्त मार्ग पर यातायात सुरक्षा के मानकों का पालन बेहद जरूरी है। यदि समय रहते इस कट को बंद नहीं कराया गया तो भविष्य में कोई गंभीर हादसा हो सकता है।

प्ररूप-(एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं उज्जल खलखो (UJJAL KHALKHO) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री.जवाहर खलखो गाँव करचा पो चान्दो तहसील चान्दो जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम उज्जल खलखो (UJJAL KHALKHO) (पुराना नाम) से बदल कर. उज्जवल खलखो (UJJWAL KHALKHO) (नया नाम) रख लिया है।

उज्जल खलखो

हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 12 नवम्बर 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं कोमल पुराना नाम, (जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी गोविन्द यादव गाँव / शहर गाला, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर, छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-कोमल (पुराना नाम) से बदल कर कोमल यादव (नया नाम) रख लिया है। नाबालिग पुत्री / पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं गोविन्द यादव (माता/ पिता /पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री चूढामणि, गाँव / शहर गाला, तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर, छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम कोमल (पुराना नाम) से बदल कर कोमल यादव (नया नाम) रख लिया है।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

नाम परिवर्तन सूचना

अदिति श्रीवास्तव आ. श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, आयु 18 वर्ष, निवास का पता-कबीर वार्ड क्रमांक 39, लेडिस हॉस्पीटल के पीछे, दरीपारा, अम्बिकापुर, थाना एवं तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) की निवासी हूँ। यह कि मैं कक्षा 10वीं की परीक्षा सत्र 2025 में Carmel School Ambikapur Namnakala Dist-Surguja C.G. से उत्तीर्ण हो चुकी हूँ, जिसमें मेरा अनुक्रमाक 12137781 हैं मेरे पिता का नाम Deepak Kumar Shrivastava दर्ज हो गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है जबकि मेरे पिता का सही नाम Deepak Shrivastava जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में अंकित है। मेरे कक्षा 10 वीं के अंकसूची में मेरे पिता का नाम Deepak Shrivastava को विलोपित कर मेरे जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार मेरे पिता का सही नाम Deepak Kumar Shrivastava दर्ज करा कर द्वितीय प्रति प्राप्त करने बावत यह स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथग्रहिता

अदिति श्रीवास्तव

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार धनवानी आ. लक्ष्मण दास व अन्य, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 157/23 रकबा 0.545 हे. भूमि के नक्शा में हुये त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 06/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार

अम्बिकापुर

सार्वजनिक सूचना

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र का जन्म जिला अस्पताल, अम्बिकापुर (छ.ग.) में हुआ है, जिसका जन्म पंजीयन क्रमांक B2026229003800016 46 दिनांक 26.02.2026 है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश 'इशान बैगा' दर्ज हो गया है. जो कि गलत है। मेरे पुत्र का वास्तविक एवं सत्य नाम 'दक्ष बैगा' (DAKSH BAIGA) है। मेरे पुत्र के माता का नाम प्रतिभा कंवर (PRATIBHA KANWAR) एवं पिता का नाम दूधेश्वर बैगा (DUDHESWAR BAIGA) है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश दर्ज नाम इशान बैगा को सुधार कर वास्तविक नाम 'दक्ष बैगा' (DAKSH BAIGA) दर्ज कराने हेतु संबंधित कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपति संबंधित कार्यालय/प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। समयाधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दूधेश्वर बैगा (आत्मक घनश्याम बैगा)

निवास- रिंग रोड, बौरीपारा, काली मंदिर, अम्बिकापुर, थाना व तहसील-अम्बिकापुर,

जिला- सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०/अ-6/2026 27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिजुन पैकरा आ. वकील साय पैकरा, जाति कंवर, निवासी ग्राम भिटठीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०म० के द्वारा ग्राम भिटठीखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 101/2, 125/1, 141/1. 151. 165, 166, 169. 179/1, 255/1, 538/1 कुल खसरा नंबर 10 कुल रकबा 1.484 हे0 के वर्तमान भूमि स्वामी वकील साय की मृत्यु होने के कारण उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/12/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार

अम्बिकापुर-2

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-/अ-27/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जय सिंह आ छेरतु, जाति कंवर, निवासी ग्राम भफौली, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग०, द्वारा ग्राम भफौली स्थित भूमि खसरा न0 55/2, 89/2, 113/2, 133/2, 139/2, 142/2, 191/2. 198/3, 209/2, 332/2, 405/2, 406/2, 407/2, 517/2, 518/2, 533/2 कुल खसरा नंबर 16 कुल रकबा 3.736 हे0 भूमि का अनावेदक पवन आ. लउआ, जाति कंवर, निवासी ग्राम भफौली, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/12/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार

अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.

रा०प्र०क०-/ब-121/2025-26.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नेपाल मण्डल आ. कंगाल मण्डल, निवासी ग्राम सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 68/8 रकबा 0.400 हे. भूमि के राजस्व अभिलेखों में हुये त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 27/11/26 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं कियां जावेंगा।

आज दिनांकः-06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार

अंबिकापुर, सरगुजा

हेल्थ टिप्स

इस मौसम में सुबह की सैर में सावधानियां जरूरी



ठंड का मौसम स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत सुहाना होता है, लेकिन 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए यह मौसम अपने साथ कुछ स्वास्थ्य चुनौतियां भी लेकर आता है। इस उम्र में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता और रक्त संचार प्रणाली में प्राकृतिक बदलाव आ जाते हैं, जिसके कारण ठंड के प्रभाव से हृदय और जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। हालांकि, वॉक करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन सर्दियों में थोड़ी सी लापरवाही भारी पड़ सकती है। आइए इस आलेख के माध्यम से जानते हैं कि 50 से अधिक उम्र के लोगों को ठंड के मौसम में मॉर्निंग वॉक के दौरान किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए।

समय का सही चुनाव और तापमान का ध्यान

सर्दियों के दिनों में सुबह के समय अत्यधिक ठंड और कोहरा छाया रहता है। 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को एकदम सुबह, जब तापमान बहुत कम हो, घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। धूप निकलने पर जाएं: कोशिश करें कि सूरज निकलने के बाद (लगभग 7 या 8 बजे के आसपास) सैर के लिए निकलें, जब हवा में थोड़ी गर्माहट आ जाए। अत्यधिक पाला और कोहरा: अत्यधिक कोहरे में प्रदूषण के कण हवा में नीचे बैठ जाते हैं, जो सांस के मरीजों और बुजुर्गों के फेफड़ों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

लेयरिंग कपड़ों का पहनावा

ठंड से बचने के लिए केवल एक भारी स्वेटर पहनने के बजाय हमेशा लेयरिंग (कई तहों में



कपड़े) करें। शरीर को रखें गर्म: थर्मल इनर, हल्की जैकेट या स्वेटर, ऊनी टोपी (कान ढंकने के लिए), और दस्ताने जरूर पहनें। सिर और कान का खास ध्यान: ठंडी हवा सीधी सिर और कानों के संपर्क में आने से ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ सकता है, इसलिए मफलर या कैप का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। साथ ही, पैरों में अच्छे गर्म मोजे और आरामदायक जूते पहनें।

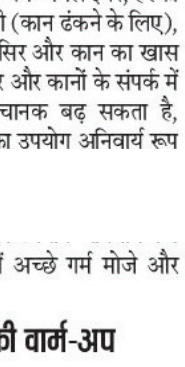
वॉक से पहले हल्की वार्म-अप एक्सरसाइज

ठंड के कारण मांसपेशियां और नसें अकड़ जाती हैं। सीधे बिस्तर से उठकर तेज चाल से चलना शुरू कर देना दिल की सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

घर के अंदर स्ट्रेचिंग: घर के भीतर ही हल्के हाथ-पैरों के व्यायाम और स्ट्रेचिंग करें ताकि शरीर का तापमान सामान्य हो सके और रक्त संचार सुचारू रूप से काम करने लगे। शुरुआत धीमी रखें: बाहर निकलते ही एकदम तेज न दौड़ें या चलें। अपनी गति को बिल्कुल सामान्य रखते हुए कदम बढ़ाएं।

स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां और हाइड्रेशन

50 की उम्र के बाद शरीर में पानी की कमी का अहसास कम होता है, लेकिन ठंड में भी शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है। पानी का सेवन: घर से निकलने से पहले गुनगुना पानी जरूर पिएं ताकि शरीर अंदर से गर्म रहे। दवाएं और चिकित्सक की सलाह: यदि आपको ब्लड प्रेशर, मधुमेह या हृदय से जुड़ी कोई पुरानी समस्या है, तो अपनी दवाएं समय पर लें और डॉक्टर की सलाह के बाद ही मॉर्निंग वॉक पर जाएं। सीने में जकड़न, सांस फूलने या चक्कर आने जैसे लक्षण महसूस होने पर तुरंत वॉक रोक दें।



खानपान और ऊर्जा का संतुलन

सर्दियों के मौसम में शरीर को अंदरूनी ऊर्जा की आवश्यकता अधिक होती है, ताकि शरीर का तापमान नियंत्रित रह सके। मॉर्निंग वॉक पर निकलने से पहले केवल खाली पेट जाने के बजाय कुछ हल्का-फुल्का जैसे कि भीगे हुए बादाम, अखरोट या एक कप गुनगुना हर्बल चाय का सेवन करना बेहद फायदेमंद होता है। इससे वॉक के दौरान अचानक चक्कर आने या कमजोरी महसूस होने जैसी समस्याओं से बचाव रहता है।

ठंड के लक्षणों को पहचानें और तुरंत घर लौटें

यदि सैर के दौरान कभी भी सीने में भारीपन, असामान्य जकड़न, सांस लेने में अत्यधिक परेशानी या शरीर सुन्न पड़ने जैसे लक्षण महसूस हों, तो इसे बिल्कुल नजरअंदाज न करें। इस स्थिति में तुरंत अपनी वॉक रोक दें और सुरक्षित रूप से घर वापस आ जाएं। थोड़ी सी भी असावधानी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए हमेशा अपनी शारीरिक क्षमता और मौसम के मिजाज को प्राथमिकता दें।

बिलॉन्गिग:अ जर्नीऑफ लव- एक विश्लेषण

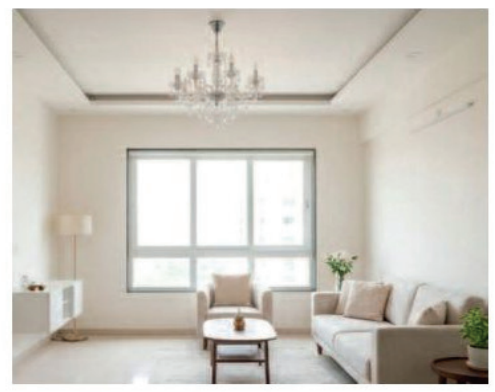
सोनिया गांधी की बहुचर्चित आत्मकथा बिलॉन्गिगः अ जर्नी ऑफ लव का लोकार्पण हो चुका है। विमोचित होते ही उनकी आत्मकथा के कुछ अंशो पर गहरा विवाद छिड़ गया है। यह पुस्तक पहले पेगुइन रैंडम हाऊस जो अमेरिका का एक प्रमुख प्रकाशन समूह है के द्वारा प्रकाशित की होनी थी।प्रकाशन के इसके कुछ अध्यायों व अंशो मे कटौती व बदलाव के लिए कहा जिसमे भाजपा और आरएसएस की उत्कट और प्रखर आलोचना की गई थी।सोनिया जी ने ऐसा करने से मना कर दिया अतः प्रकाशन ने पुस्तक छापने से इंकार कर दिया अर्थात प्रथम ग्रासे मक्षिकापातः हो गया। अपनी आत्मकथा में सोनिया जी ने, 1975 के आपातकाल,1984 के सिख दंगो ,राजीव की हत्या के पूवार्भास ,1992 के बाबरी विध्वंस,पीएम पद ठुकराने जैसे मुद्दो पर अपने विचार रखे है।पुस्तक में मुख्य अंशो का अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि, अपनी आत्मकथा में सोनिया जीने सत्य को अपने अनुरूप ढाल कर, स्वरूचिपूर्ण ढंग से लिखा है। स्व चयनित घटनाक्रमो को अपूर्ण व मिश्रित सत्य के साथ लिखा गया है इसलिए उनकी आत्मकथा पूरक सी प्रतीत होती है। दिनांक 2/2/1968 को राजीव के साथ अपने विवाह का जिक्र तो करती है,लेकिन इस बात का उल्लेख नहीं करती है कि वे अपने विवाह के 12 वर्षो बाद भारत की नागरिकता ग्रहण कर विधिवत भारत की नागरिक बनी !सोनिया जी ने आपातकाल को अनुचित बताते हुए अफसोस जनक और दुःखद बताया यह है जो सराहनीय है। राजीव को आपातकाल लगाने का विरोधी बताती हालांकि राजीव उस समय तक पायलट थे,इसलिए यह निकटवर्ती सत्य है। इसका का प्रेरक संजय गांधी को बताना ऐसा लगता है,जैसे अपने सास इंदिरा जो दोष मुक्त कर कांग्रेस की छवि सुधारने और आपातकाल के दायित्व का पुनर्वितरण और पुनर्विभाजन कर रही है, जबकि संजय गांधी इसका प्रत्युत्तर देने के लिए दुनिया में नहीं है? इसलिए आपातकाल लगाने के परिप्रेक्ष्य में बहुत कुछ अनुतरित्त रह जाता है। आत्मकथा मे अपने पारिवारिक जीवन व सास के साथ रिश्तो का उल्लेख तो करती है,लेकिन मेनका गांधी के घर से बहिष्कृत करने का उल्लेख नहीं करती हैव 1984 के सिख दंगे को सोनिया जी ने भारतीय इतिहास का शर्मनाशक व दुःखद अध्याय बताया है। जबकि दंगो की जांच के लिए गठित नानावटी आयोग द्वारा दोषी पाये गये कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार ,जगदीश टाइटलर और एच के एल भगत का नाम गहन निःशब्दता साध लेती है। सिख दंगो के संबध मे उनका विवरण नटवर सिंह की आत्म कथा ' एक ही जीवन काफी नहीं नही' कुलदीप नैय्यर की आत्मकथा 'एक जिंदगी काफी नही' और रामचंद्र गुहा की 'नेहरू के बाद भारत' से मेल नहीं खाता है।जो भारतीय राजनीति की प्रमाणिक कृतियां मानी जाती है। राजीव की हत्या की हत्या से पूर्व , पूवार्भास का खुलासा करते हुए लिखती है कि,हत्या से कुछ हफ्ते पूर्व राहुल मे सोनिया से कहा था कि अगर पिताजी की सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई तो जल्द ही उनके अंतिम संस्कार मे जाना पड़ सकता है।यहां पर राहुल के पूवार्भास को उनके वर्तमान के ' फिलिंग 'आने के संदर्भ से जोड़ती दिखाई पड़ती है।जबकि इस्त्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने तात्कालिक चंद्रशेखर सरकार को लिट्टे द्वारा राजीव की हत्या के षड़यंत्र के प्रति सचेत किया था जिसका उल्लेख सोनिया जी ने नही किया है।ऐसा जान पड़ता राहुल के पूवार्भास को बताने और मोसाद की सूचना का नामोल्लेख न करना उनके राजनैतिक प्रतिमान के कारण है। 2004 में प्रधानमंत्री पद अस्वीकरीकरण का कारण उन्होनें राहुल व प्रियंका के जिद् को मुख्य बताया है।अपनी आत्मकथा के माध्यम से वे अपने को सत्ता लोलुपता से मुक्त रखने का प्रयास करते हुई दिखाई पड़ती है।लेकिन यूपीए का चेयरपर्सन और राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का अध्यक्ष बन कर जिस तरह से प्रगट रूप मे सत्ता की बागडोर संभाली थी, अतः वे स्वमेव अपनी सत्ता के प्रति अनासक्ति को सत्ता -आसक्ति मे परिवर्तित करती दिखती है?

1992 में बाबरी विध्वंस पर लिखती है की उस दिन गांधी और नेहरू के धर्मनिरपेक्ष देश में ऐसा होता देख वह रोयी।तब सहज प्रश्न उठता है इसके प्रत्युत्तर मे मुबंई मे हुए क्रमबद्ध भीषण बम विस्फोट जिसने सैकड़ो लोग मारे गये तब सोनिया क्यों नही रोयी?1990 के कश्मीर नरसंहार जिसमे हजारो लोग मारे गये तब क्यों नहीं रोयी? 2001 में संसद पर हुए,हमले जिसमे 19 पुलिस कर्मी मारे गये तब क्यों नही रोयी,2008 मुबई पर आंतकी हमले जिसमे 250 से अधिक लोग मारे गये तब क्यों नहीं रोई? पुलवामा में क्यों नही रोयी?वस्तुतः उनके आंसू भावनात्मक और मानवीय संवेदनाओ से कही अधिक राजनीतिक तुष्टिकरण के विचार से प्रेरित सत्ता का श्रृंगार और स्व इच्छा निर्मित कृत्रिम रूदन था। उन्होनें पूर्व कांग्रेसी प्रधानमंत्री स्व० पी० वी० नरसिंह राव का उल्लेख अपनी आत्मकथा मे नहीं किया है,यद्यपि वे 1992 के अर्थिक सुधारो का श्रेय तात्कालिक वित्त मंत्री मनमोहन सिंह को दिया है।सोनिया गांधी राव से अपने मतभेदो को उजागर नहीं करती ,जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री कुंवर नटवर सिंह अपनी आत्माकथा ₹ एक ही जीवन काफी नहीं में ₹ राव के साथ सोनिया के मतभेदो को उजागर करते है। 1998 में सोनिया समर्थको द्वारा तात्कालिक कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी को अपमानित करने और उन्हे कांग्रेस कार्यालय से बाहर फेंकने का उल्लेख नहीं करती अपितु इस बात का उल्लेख करना नहीं भूलती है कि,कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद उन्होनें पैर छूकर सीताराम केसरी का आशीर्वाद लिया। वस्तुतः जिन तथ्यो से एक आत्मकथा मे संपूणार्ता आती है,सोनिया जी की आत्म कथा उनसे परे और दिगर है। इसमे देश की तात्कालिक त्रासदियों,आतंकी घटनाओं व राजनैतिक घटनाक्रमो का उल्लेख नहीं किया गया है।जिससे स्पष्ट होता है कि उनकी आत्मकथा अपनी और अपने परिवार की छवि सुधारने का एक भावनात्मक बौद्धिक प्रयास किया है?

इसके विमोचन की तिथी भी उत्तरप्रदेश ,उत्तराखंड़ और पंजाब के आसन्न विधानसभा चुनावो के समय करना एक राजनैतिक उपक्रम व कांग्रेस के लिए प्रचारतंत्र से अधिक कुछ भी नही प्रतीत होता। सोनिया की आत्मकथा की एकमात्र विशेषता यह है कि नेहरू की आत्मकथा ' एन आटोबायग्राफी' के नब्बे वर्ष बाद अपनी आत्मकथा ' बिलॉन्गिगः अ जर्नी ऑफ लव' लिखने वाली उस परिवार की दूसरी सदस्य है।

कुल मिलाकर आत्मकथा मे सोनिया ने अपना राजनैतिक अलंकरण और अपनी छवि का पुनर्परिमार्जन करने का एक प्रयास किया है।यह पुस्तक क्षरण होती कांग्रेस को बचाने का अंतिम दिव्याशस्त्र है। लेकिन इसके उद्धरित तथ्यों पर इतना राजनैतिक व बौद्धिक गुत्थम-गुत्था मची है कि।सोनिया की आत्मकथा या तो कांग्रेस की बाईबिल बन जायेगी, या कांग्रेस के लिए गरूड़- पुराण बन जायेगी?

मनोज कुमार सिंह



घर में वास्तु से आएगी खुशहाली

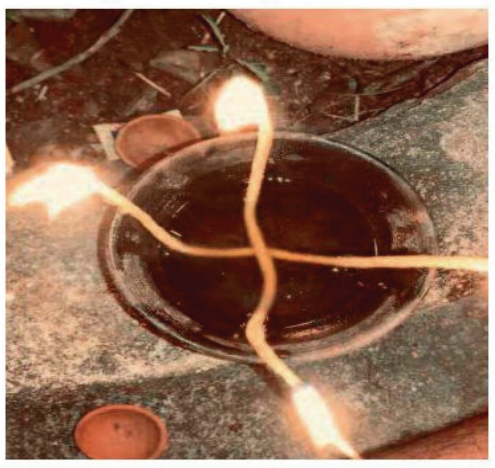
वास्तु शास्त्र के अनुसार, हमारे घर में नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाने के लिए कई सरल उपाय बताए गए हैं। सेंधा नमक को इसमें अत्यंत प्रभावी माना गया है; इसके पानी का छिड़काव मुख्य द्वार पर करने से धन की आवक बनी रहती है। इसके अलावा, सप्ताह में एक बार नमक वाले पानी से पोंछा लगाने और दक्षिण-पश्चिम दिशा में कटोरी में सेंधा नमक व पानी रखने से जीवन के कई संकट दूर होते हैं।

मुख्य द्वार और दैनिक आदतों से जुड़ी सावधानियां

घर का मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार होता है, इसलिए इसे हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए और दोनों तरफ स्वास्तिक व ऊं का निशान बनाना चाहिए। वहीं, घर के किसी भी नल से लगातार पानी का टपकना बहुत अशुभ माना जाता है, क्योंकि यह धन हानि और नकारात्मकता का प्रतीक है। ऐसे नलों को तुरंत ठीक करवा लेना चाहिए। इसके अलावा, तिजोरी में मोर पंख रखने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और अनावश्यक खर्चों पर रोक लगती है।

धार्मिक और आध्यात्मिक उपायों का प्रभाव

घर के शुद्धिकरण और वास्तु दोषों के निवारण के लिए



धार्मिक उपाय भी बेहद कारगर होते हैं। घर की दक्षिण दिशा में पंचमुखी हनुमान जी का चित्र या मूर्ति स्थापित करना वास्तु दोषों और कष्टों को दूर करता है। इसके साथ ही, सप्ताह में कम से कम एक बार पूरे घर में गंगा जल का छिड़काव करना चाहिए और प्रतिदिन शाम को कपर जलाकर उसकी धप घर के हर कोने में फैलानी चाहिए।

दिशाओं का संतुलन और उसका स्वास्थ्य पर असर

प्राचीन वास्तु के अनुसार, घर के पंचतत्वों और दिशाओं का सटीक संतुलन हमारी सेहत और प्रगति तय करता है। उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण में बेडरूम या रसोई होने से पुरुषों में अनिद्रा, मानसिक तनाव और पेट के गंभीर रोग हो सकते हैं। वहीं, दक्षिण दिशा में वास्तु दोष होने पर महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां घेर सकती हैं, और आग्नेय कोण में जलस्रोत होने से पाचन व फेफड़ों से जुड़े जानलेवा रोग पनप सकते हैं।



ट्राई करें हैदराबादी स्टाइल की इडली, मिलेगा नया जायका

साउथ इंडियन डिश के रूप में इडली हम सभी को बेहद पसंद होती है, लेकिन अगर आप एक ही तरह की सादी इडली खाकर बोर हो चुके हैं, तो इस बार अपने नाश्ते में हैदराबादी स्टाइल इडली जरूर ट्राई करें। हैदराबादी स्टाइल में बनने वाली यह इडली



काफी ज्यादा मसालेदार, कुरकुरी और बेहद स्वादिष्ट होती है। इसे आप अपने घर पर सुबह के नाश्ते में बहुत आसानी से गर्मागर्म बनाकर अपनी मनपसंद नारियल या टमाटर की चटनी के साथ परिवार को सर्व कर सकते हैं।

आसान विधि से तैयार करें स्वादिष्ट इडली का बैटर

हैदराबादी स्टाइल में कुरकुरी इडली बनाने के लिए सबसे पहले थोड़े से पोहे को एक मिक्सर जार में डालकर उसका महीन पाउडर बना लें। अब इस पोहे के पाउडर में चावल का आटा और उड़द दाल का आटा अच्छी तरह से मिला लें। इस मिश्रण का एक बढ़िया बैटर तैयार करने के लिए इसमें 1 छोटा चम्मच नमक, ताजा दही और आवश्यकतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इस तैयार बैटर को कुछ मिनट के लिए रेस्ट करने के लिए ऐसे ही छोड़ दें ताकि सभी चीजें अच्छी तरह सेट हो जाएं।

घर पर ही झटपट तैयार करें स्पेशल पोड़ी मसाला

जब तक इडली का बैटर सेट हो रहा है, तब तक आप इसके लिए खास हैदराबादी पोड़ी मसाला तैयार कर लें। इसके लिए एक पैन में एक छोटा चम्मच तेल गर्म करें और उसमें चना दाल व उड़द दाल को डालकर भूनें। जब दालें हल्की सुनहरी होने लगें, तब



इसमें सफेद तिल और साबुत लाल मिर्च मिला दें। गैस की आंच बंद करने के बाद अंत में इसमें थोड़ी सी हींग मिलाएं, जिससे मसाले की खुशबू और स्वाद दोनों कई गुना बढ़ जाएंगे।

तवे पर इस तरह सेककर तैयार करें हैदराबादी स्टाइल इडली

इस इंस्टेंट इडली के बैटर को और अधिक स्पॉंजी बनाने के लिए इसमें थोड़ा सा फ्रूट सॉल्ट (ईनो) मिलाएं। इसके बाद स्टोव पर एक फ्लैट पैन या तवा रखकर उसमें 2 से 3 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इस तवे पर बारीक कटे हुए प्याज, ताजे करी पत्ते और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक अच्छी तरह भून लें। जब प्याज का रंग सुनहरा हो जाए, तब इसमें कटे हुए टमाटर और दो बड़े चम्मच तैयार किया हुआ पोड़ी मसाला अच्छी तरह मिला दें। अब इस तैयार मसाले को तवे पर चार अलग-अलग हिस्सों या ब्लॉकों में बांट लें। मसाले के प्रत्येक ब्लॉक के ठीक ऊपर एक-एक स्कूप इडली का बैटर फैला दें। अब इसे किसी बर्तन या ढक्कन से ढक दें और बैटर के अच्छी तरह फूलने तथा पकने का इंतजार करें। इसे आपको धीमी आंच पर लगभग चार से पांच मिनट तक पकाना है।

जावित्री की चाय पीने से मिल सकते हैं सेहत को कई फायदे

जावित्री, रसोई में मौजूद गुणों से भरपूर एक मसाला है। इसकी चाय, सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाती है। हालांकि, इसका बहुत अधिक मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए।इसकी चाय कई तरह से हमारे लिए फायदेमंद है। अगर आप सही तरीके और सही मात्रा में जावित्री की चाय का सेवन करेंगी, तो इससे सेहत दुरुस्त रहेगी और एक नहीं बल्कि कई समस्याओं में लाभ मिलेगा। जावित्री की चाय पीने से आपको क्या फायदे मिल सकते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।



यह जानकारी डाइटिशियन नंदिनी दे रही हैं। वह सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

जावित्री में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसकी चाय पीने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और मौसमी बीमारियां दूर रहती हैं। अगर आपको अक्सर मौसमी बीमारियां और इंफेक्शन घेर लेते हैं, तो जावित्री की चाय का सेवन करें। यह शरीर के लिए एक हेल्दी टॉनिक के तौर पर काम करती है। जावित्री की चाय पीने से डाइजेशन भी दुरुस्त होता है। इससे डाइजेस्टिव एंजाइम्स का सीक्रेशन बढ़ता है, मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होता है और पाचन में सुधार होता है। जावित्री की चाय मेटाबॉलिज्म को सुधारती है और इससे फैट बर्निंग तेज होती है। इसे पीने से वजन भी आसानी से कम होता है।

कार्नर न्यूज

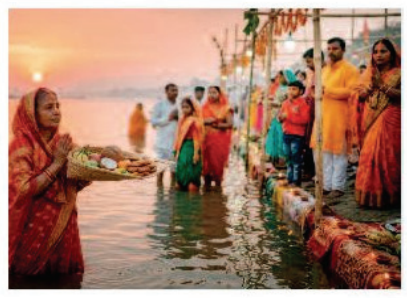
कार्तिक मास के पावन पर्वों पर रखें पवित्रता, खानपान और सेहत का विशेष ध्यान

लोक आस्था का महापर्व छठ और देव उठनी एकादशी पर धार्मिक मान्यताओं का करें पालन, मिलेगा आत्मिक सुख

दीपावली के भव्य उल्लास के बाद अब सनातन संस्कृति के दो सबसे प्रमुख और पवित्र पर्व छठ महापर्व और देव उठनी एकादशी (प्रबोधिनी एकादशी) का पावन अवसर आ पहुंचा है। इन दोनों ही उत्सवों का भारतीय परंपरा में गहरा आध्यात्मिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व है। एक ओर जहां छठ पर्व सूर्य देव और प्रकृति की उपासना के साथ-साथ कठिन तपस्या और शुचिता का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर देव उठनी एकादशी भगवान श्री हरि विष्णु की चार महीने की योगनिद्रा के समापन और तुलसी विवाह का शुभ अवसर लेकर आता है। इन पर्वों के दौरान शास्त्रों में बताए गए नियमों, धार्मिक मर्यादाओं, साफ-सफाई और सही खानपान का ध्यान रखना बेहद आवश्यक माना गया है।

छठ महापर्व की चार दिवसीय अनुष्ठान की तिथियां

छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान इस वर्ष 13 नवंबर से 16 नवंबर तक पूर्ण निष्ठा और कड़े नियमों के साथ मनाया जाएगा। सूर्य उपासना का यह पर्व प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का सबसे उत्तम माध्यम है। इस



अनुष्ठान की शुरुआत शुक्रवार, 13 नवंबर को नहाय-खाय से होगी, जिस दिन व्रती स्नान के बाद सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं और घर को पूरी तरह शुद्ध करते हैं। इसके अगले दिन यानी शनिवार, 14 नवंबर को खरना होगा, जिसमें दिनभर का निर्जल उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर का प्रसाद ग्रहण किया जाता है और यहीं से 36 घंटे के मुख्य व्रत का संकल्प लिया जाता है। इसके बाद रविवार, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य के तहत अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। अंतिम दिन सोमवार, 16 नवंबर को उषा अर्घ्य के तहत उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती पारण करेंगी।

देव उठनी एकादशी और तुलसी विवाह का धार्मिक महत्व

छठ महापर्व के तुरंत बाद कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देव उठनी एकादशी के रूप में मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन चातुर्मास की समाप्ति होती है और भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं, जिसके साथ ही विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे सभी शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। इस वर्ष स्मार्त संप्रदाय के लिए एकादशी तिथि का व्रत शुक्रवार, 20 नवंबर को रखा जाएगा। एकादशी तिथि 20 नवंबर को सुबह 7:15 बजे शुरू होकर अगले दिन 21 नवंबर को सुबह 6:31 बजे समाप्त होगी। वहीं, एकादशी व्रत का पारण शनिवार, 21 नवंबर 2026 को दोपहर 1:11 बजे से 3:18 बजे के बीच किया जाएगा।

इन दोनों प्रमुख त्योहारों के दौरान धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं का पालन करने के



साथ-साथ स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। छठ महापर्व में जहां मिट्टी के चूल्हे, बांस के सूप, गन्ने, ठेकुआ और शुद्धता का विशेष महत्व होता है, वहीं देव उठनी एकादशी के दिन चावल के सेवन से पूरी तरह परहेज करने का विधान है। एकादशी के दिन घरों में गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी-शालीग्राम विवाह संपन्न कराया जाता है। लगातार चलने वाले इन व्रतों और उत्सवों के बीच अपने शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में जल, नारियल पानी और सात्विक आहार का सेवन करें। त्यौहार के पकवानों के बीच पोर्शन कंट्रोल अपनाएं और स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान, जनचौपाल लगाकर कांग्रेस ग्रामीणों को कर रही जागरूक



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे एवं एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी की प्रमुख मांगों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल के माध्यम से आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिले के रामानुजनगर परशुरामपुर में जन चौपाल का आयोजन किया गया। प्रभारी के रूप में पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने ग्रामीणों से संवाद कर लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा एवं मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी। जिला अध्यक्ष सुश्री शशि सिंह सहित वक्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और जनता की आवाज बुलंद की।

इस अवसर पर इस्माइल ख़ान, के.के अग्रवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, महेंद्र साहू ब्लॉक अध्यक्ष रामानुजनगर, चन्द्रदत दुबे महामंत्री, परमेश्वर ओरकेरा मण्डल अध्यक्ष परशुरामपुर, फ़िरोज ख़ान, सुरेश सिंह, ताजीमुल, शेख़ मो, सूरजपुर जिला कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अतिक्रमण से संकुचित हुई जिला मुख्यालय की सड़कें

0 फल, सब्जी से लेकर आंटो स्टैंड तक बन रहे दुर्घटना का कारण
0 शहर के लिए नासूर बनी व्यवस्था को सुधारने नए एसडीएम से उम्मीदें

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां नए एसडीएम प्रशांत कुशवाहा ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। शिवानी जायसवाल के तबादले के बाद उन्हें यहां जिला मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई है।इस नई जिम्मेदारी के साथ जिला मुख्यालय के लोगो को उनसे बड़ी उम्मीदें है। खास कर उस बिगड़ी व्यवस्था को सुधारने को लेकर जो शहर के लिए नासूर जैसी बन गई है।हालांकि, नपा के प्रतिनिधियों की उदासीनता ओर वोट बैंक की राजनीति की वजह से इस व्यवस्था को सुधारना इतना आसान नही है,अलबत्ता नए और ऊर्जावान एसडीएम से उम्मीद तो की ही जा सकती है। बहरहाल, जिला मुख्यालय की सड़कें अतिक्रमण के कारण संकुचित हो गई है। सड़क के दोनों ओर बनी नालियों से लेकर सड़क के ऊपर तक छोटे बड़े दुकानदारों का कुछ ऐसा कब्जा है कि दोनों ओर बनी 30- 30 फिट की सड़क सिमट कर महज 20 - 20 फिट की रह गई है। वहीं इन सड़कों पर भी बेतरतीब खड़ी वाहनों ने राहगीरों की मुसीबत और बढ़ा कर रख दी है। लगातार छोटे बड़े व्यवसायियों के द्वारा कब्जा की जा रही इन सड़कों को लेकर नगरीय प्रशासन कभी गम्भीर नजर आया हो ऐसा लगातार हो रहे इन कब्जो को देखकर प्रतीत नहीं होता है। जबकि स्थानीय से लेकर जिले के आला अधिकारियों की प्रतिदिन इसी मार्ग से आमदरफ्त होती है और शहर की सकरी होती इन सड़कों से वे वाकिफ भी है बावजूद इसके धृतराष्ट्र बनकर सड़क से गुजरना जिम्मेदारों की आदत में शुमार हो गया है। जिला मुख्यालय के सबसे व्यवस्तम मार्गो सुभाष चौक, अग्रसेन चौक, पुराना बस स्टैंड, आयुर्वेद अस्पताल, मेन रोड, तहसील व एसडीएम कार्यालय के सामने, कोतवाली थाने के सामने से लेकर कन्या स्कूल तक कि सड़को पर गुमटी ठेले, सब्जी से बड़े व्यवसायियों ने कब्जा जमा रखा है। कही अघोषित टेक्सी व आँटो स्टैंड बनाकर सड़को को सिमट दिया गया है। हद तो यह है कि नवापारा मोहल्ले में सड़क की नालियों पर कब्जा कर अस्पताल मालिको ने जनरेटर लगा रखा है। यहां आए दिन पार्किंग को लेकर दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। एक निजी अस्पताल ने नाली से लेकर सड़क तक के ऊपर बकायदा पक्का निर्माण कराकर जनरेटर लगा रखा है यही नहीं इस जगह पर वाहनों को इतनी बेतरतीबी से खड़ा किया जाता है मानो यह सड़क लोगो की आवाजाही के लिए नहीं उनकी निजी संपत्ति का हिस्सा हो। दुकानदारों के अवैध कब्जों के कारण कई हादसे भी हुए है और हो रहे है। इन समस्याओं पर नए एसडीएम से लोगो को बड़ी उम्मीदें है ताकि शहर की सूरत व सीरत बदल सके।



लोगो के सहयोग से होगी सुधार की कोशिश



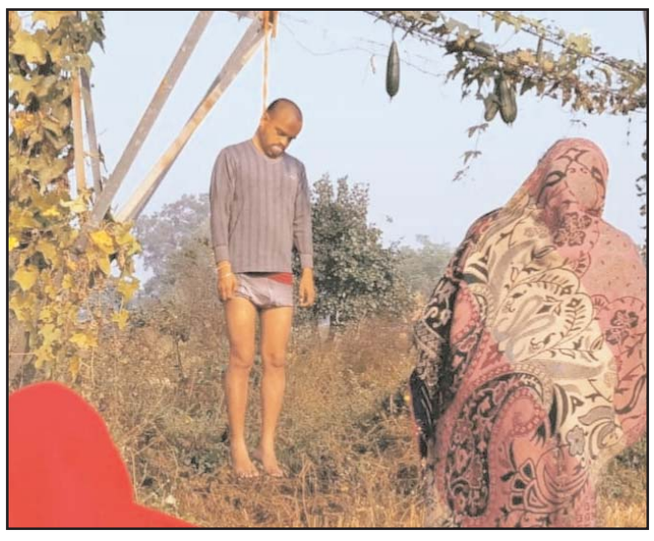
एसडीएम प्रशान्त कुशवाहा ने कहा कि शहर की इस अव्यवस्था की उन्होंने भी ध्यान दिया है,जिला प्रशासन इस मामले में गम्भीर है लेकिन शहर के लोगो के सहयोग से ऐसी समस्याओं से निजात पाया जा सकता है।प्रशासन मुहिम चला कर शहर को व्यवस्थित करने की दिशा में शीघ्र पहल करेगा।उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता होगी कि वे लोगो की अपेक्षा के अनुरूप शहर को एक दिशा दे सके।

पत्नी की मौत के एक माह बाद फांसी के फंदे पर मिल पति का शव

0 दो मासूमो के सिर से उठा माँ बाप का साया
0 पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़े हो रहे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर में एक आत्महत्या के मामले ने जहाँ दो बच्चों को अनाथ कर दिया है वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए है। दरअसल, कुबेरपुर में पिछले माह 17 अक्टूबर को ट्रेक्टर की चपेट में आने जिस महिला की दर्दनाक मौत हुई थी उसी के पति का शव फांसी पर झूलता मिला है।बताया जा रहा है कि पुलिस की कथित प्रताड़ना से तंग आकर यह कदम उठा है।पुलिस अपनी नाकामी छिपाने के लिए बिहारपुर में लोगो को तंग कर रही है ऐसा आरोप लग रहा है।पुलिस की इसी नकामी को क्षेत्र के विधायक और केबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े खुद इंगित कर चुकी है।मगर रवैया वही मगर शर्म हमे आती नही जैसी है।कुबेरपुर में महिला की मौत के बाद जमकर हंगामा बरपा था।आठ घण्टे चक्काजाम रहा,आगजनी हुई तोड़फोड़ हुई,यहां तक कि तहसीलदार से लेकर पुलिस के अफसर तक बंधक रहे। अब इस मामले में लोगो पर एफआईआर का सिलसिला जारी है पुलिस को लोगो को डरा धमका रही है।आरोप है कि बदले की भावना से पुलिस कार्रवाई कर रही है।जबकि पुलिस के अफसर आत्म चिंतन करने की बजाए ग्रामीणों पर रौब दिखा रहे है। जिससे सरकार के प्रति भारी रोष है। अब ऐसे में इस घटना के बाद पुलिस व सरकार के खिलाफ गुस्सा भड़क जाए तो कोई आश्चर्य नही होगा... !बहरहाल, महिला चन्द्रावती जायसवाल के पति संजय जायसवाल का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। संजय की मौत से दो मासूम बच्चों के सिर से करीब एक महीने पहले मां का साया उठ गया था, अब उनके पिता की भी मौत हो गई। माता-पिता दोनों को खो चुके इन मासूमों के सामने अब भविष्य और परवरिश को लेकर सवाल खड़ा हो गया है। संजय के पिता रामेश्वर जायसवाल का कहना है कि चन्दावती की मौत के बाद हुए चक्काजाम के मामले को लेकर पुलिस संजय को भी बार बार थाने बुला कर न जाने क्या पूछताछ कर रही जिससे वह परेशान था।सम्भव है इसी से तंग आकर उसने यह कदम उठाया हो।पुलिस से जांच की अपेक्षा की गई है।लेकिन अगर आरोप सही है तो जाहिर है कि सवाल यह बनता है कि पुलिस कितनी असंवेदनशील हो गई है कि जिस घर की महिला की मौत हुई और आक्रोश में चक्काजाम जैसी घटना के बाद पीड़ित परिवार के व्यक्ति को ही पूछताछ कर तंग करने लगी..? जिससे यह कदम उठा तो क्या पुलिस इसकी जवाबदारी लेगी..? क्या अफसर इसका संज्ञान लेंगे..?



पत्नी की हत्या को हादसा बताने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

चेन्द्रा पुलिस की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रास्ते पर चलते चलते पत्नी के साथ हुई कहासुनी से नाराज पति के द्वारा मारपीट किये जाने से आहत महिला की मौत हो गई है। पत्नी की हत्या को हादसा बताने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि ग्राम रैसरा के लालू प्रसाद पण्डो ने 10 नवम्बर को चौकी चेन्द्रा में सूचना दिया कि पत्नी लक्षंती बाई के साथ 9 नवम्बर के दोपहर में ग्राहक लोक सेवा केन्द्र में महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाला पैसा को चेक कराने के लिये गये थे जहां से वापस अपने फुफा के घर ग्राम टोमो जा रहे थे कि शाम करीब 7 बजे ग्राम टोमो के बेवराडांड के पास ईरा नाला को पार करते समय नाला के पत्थर में गिरने से पत्नी लक्षंती बाई को अंदरूनी चोट लगा था और नाला के पानी में भीग गई थी नाला के पास से उठाकर एक व्यक्ति के मवेशी बांधने के बथान के पास आम पेड के पास अपने पत्नि को लेटाकर सेकाई कर रहा था करीब 11 बजे रात को छुकर देखा तो लक्षंती बाई का सांस नहीं चल रहा था। लक्षंती की मृत्यु नाला के पत्थर में गिरने से आई अंदरूनी चोट लगने के कारण हो गई। सूचना पर चौकी चेन्द्रा में मर्ग कायम कर शव पंचनामा के बाद शव का पीएम कराया गया। मर्ग जांच में गवाहों के कथनों व पीएम रिपोर्ट से पाया गया कि मृतिका की मृत्यु 9.11.26 के शाम-रात करीब 7 बजे सूचक लालू प्रसाद पण्डो के द्वारा हाथ मुक्का व लात से मारपीट कर गंभीर अंदरूनी चोट लगने से लक्षंती बाई की मृत्यु हुआ है। मृतिका के पति आरोपी लालू प्रसाद पण्डों के द्वारा झूठा रिपोर्ट कर साक्ष्य को छिपाया। मृतिका का पति लालू प्रसाद अपने पत्नी के साथ अंतिम समय तक साथ में था। लालू प्रसाद के द्वारा पत्नी की हत्या कर साक्ष्य छुपाने पर उसके विरूद्ध धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने हत्या के आरोपी को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी चेन्द्रा पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान दबिश देकर आरोपी लालू प्रसाद पण्डो 35 वर्ष रैसरा असनाढोढी को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि पत्नी के साथ वापस आने के दौरान बेवराडांड के ईरा नाला के पानी में पत्नी के गिरने के बाद उसे उठाकर नाला पार कराया और जल्दी चलने के लिए बोला तब पत्नी द्वारा अपशब्द कहा गया जिससे नाराज होकर हाथ मुक्का लात से मारपीट कर हत्या कर दिया। मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी ओड़गी राजेन्द्र मण्डावी के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी चेन्द्रा सुमंत पाण्डेय, प्रधान आरक्षक लालमन राजवाड़े, आरक्षक मनोज जायसवाल, जगत पैंकरा, कमलेश्वर सिंह व गिरजाशंकर सक्रिय रहे।



वर्दी की आड़ में वसूली का खेल, वायरल वीडियो ने पुलिसिंग पर खड़े किए गंभीर सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कानून की रक्षा करने वाली वर्दी पर ही जब अवैध वसूली के आरोप लगने लगें, तो आम आदमी आखिर न्याय की उम्मीद किससे करे। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र की रेवटी पुलिस चौकी इन दिनों ऐसे ही गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा में है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने चौकी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में कथित तौर पर चौकी परिसर में बैठा एक पुलिसकर्मी रुपये लेते दिखाई दे रहा है। इसने पुलिस विभाग की व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

स्थानीय लोगों और सूत्रों के हवाले से आरोप लगाए जा रहे हैं कि रेवटी चौकी क्षेत्र में चेकिंग के नाम पर रातभर वाहनों को रोककर कथित अवैध वसूली की जाती है। आरोप है कि भारी वाहनों सहित अन्य गाड़ियों से रोजाना हजारों रुपये वसूलने का खेल चलता है। चेकिंग के दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लगने और जाम की स्थिति बनने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। मामला केवल वाहनों की चेकिंग तक सीमित नहीं बताया जा रहा। जमीन संबंधी विवादों और अन्य मामलों में कार्रवाई प्रभावित करने, शिकायतों को दबाने अथवा मामले को रफा-दफा करने के नाम पर कथित रूप से हजारों रुपये मांगने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। यदि इन शिकायतों में सच्चाई है, तो यह केवल



अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि पुलिस अधिकारों के संभावित दुरुपयोग का गंभीर मामला है। चौकी प्रभारी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहा है। स्थानीय स्तर पर किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति के कथित संरक्षण की चर्चाएं भी हैं।रेवटी चौकी को लेकर पहले भी वाहनों से कथित वसूली की शिकायतें और चर्चाएं सामने आने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद यदि शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह विभागीय जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है। क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा और जुए जैसी गतिविधियों को लेकर भी स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं। लोगो ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि वायरल वीडियो की तकनीकी जांच कराई जाए। चेकिंग के दौरान वाहनों को रोकने और कार्रवाई का रिकॉर्ड जांचा जाए, कथित वसूली की शिकायतों तथा चौकी प्रभारी की भूमिका की पड़ताल हो और यदि किसी वरिष्ठ अधिकारी का संरक्षण सामने आता है तो उसकी भी जवाबदेही तय की जाए।

जांच निष्पक्ष रखने के लिए संबंधित सीसीटीवी फुटेज, ड्यूटी रजिस्टर, वाहन चेकिंग रिकॉर्ड और शिकायतों का परीक्षण किया जाना चाहिए।

पुलिस की वर्दी जनता की सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक है, वसूली का अधिकारपत्र नहीं। आम नागरिक सड़क पर सुरक्षित सफर करना चाहता है, न कि चेकिंग के नाम पर कथित अवैध वसूली और अनावश्यक जाम से परेशान होना। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने मामले को बेहद गंभीर बताते हुए जांच के सख्त निर्देश दिए हैं। दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों पर कठोर विभागीय एवं कार्रवाई की जाएगी। ऐसे कृत्यों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव में दिखी संस्कृति, परंपरा और अस्मिता की झलक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोककला महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव में जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला, रीति-रिवाजों एवं जीवन मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला। मांदर और नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समूचे वातावरण को सांस्कृतिक उल्लास और उत्सवी रंगों से सराबोर कर दिया। महोत्सव में सभी विकासखंड से पहुंचे जनजातीय लोकनृत्य दलों ने पारंपरिक कर्मा नृत्य एवं आदिवासी लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। लोकवाद्यों की मधुर धुन, नृत्य की लयबद्धता और कलाकारों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने जनजातीय संस्कृति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों की सामूहिक



प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में जनजातीय कलाकारों, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विकासखंड प्रेमनगर के ग्राम पंचायत बकालो के पारंपरिक कर्मा दल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विकासखंड सूरजपुर के जय मां शीतला कर्मा दल को द्वितीय तथा विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम पंचायत अर्जुनपुर के आदिवासी लोक निरंजनी कर्मा दल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसी प्रकार अन्य शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव श्रेणी में विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम पंचायत मांजा के ममता कर्मा दल ने प्रथम, विकासखंड ओड़गी के ग्राम पंचायत लांजित के उज्ज्वल कर्मा दल ने द्वितीय तथा विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत खोपा के देवपुत्र कर्मा दल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता दलों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, सहायक आयुक्त घनश्याम सिंह, आलोक भवाल, एम.एस.सोनवानी व जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग शुभम बंसल सहित अन्य उपस्थित रहे।

न्यायालय कलेक्टर, जिला- सरगुजा (अंबिकापुर) छत्तीसगढ़

रा.प्र.क. 85/अ-6/2025-2026

इश्तहार/सूचना पत्र

अपीलार्थीगण राजरतन जायसवाल आ. फेकू राम (प्रसाद) जायसवाल एवं अन्य 02. निवासी ग्राम पोतका, तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग) द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर के रा.प्र.क. 20230202190006/62/अ-6/2022-2023 में पारित आदेश दिनांक 21/02/2024 के विरूद्ध छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 (2) के तहत इस न्यायालय में द्वितीय अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण उत्तरवादी (1) श्रीमती शकुन्तला देवी जायसवाल पत्नी श्यामदेव जायसवाल, निवासी ग्राम घूर तहसील-ओडगी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 19/11/2026 को नियत है।

उक्त सभी उत्तरवादी को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 19/11/2026 को इस न्यायालय में दिन के 02:30 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवे। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादी को विरुद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 15/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

प्रभारी अधिकारी
कलेक्टर वाचक शाखा

छठ घाट पहुंची कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा, वव्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

बोलीं- श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु यातायात, पार्किंग, विद्युत, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था करें सुनिश्चित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के मद्देनजर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रेण नदी स्थित छठ घाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति के सदस्यों से चर्चा कर पर्व के आयोजन एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने घाटों एवं पूजा स्थलों पर सुरक्षा के लिए नगर सैनिकों एवं पुलिस बल की तैनाती, मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, सुचारु यातायात के लिए आवागमन मार्ग निर्धारित करने तथा पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए।



उन्होंने घाटों पर विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य टीम की तैनाती और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने को कहा। साथ ही जलाशय में सुरक्षा की दृष्टि से गोताखोरों की तैनाती तथा श्रद्धालुओं की निगरानी के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को सहज, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद सूरजपुर के उपाध्यक्ष शैलेष अग्रवाल, एसडीएम प्रशांत कुशवाहा, नगर पुलिस अधीक्षक विशाल गर्ग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं छठ पूजा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

नपा अध्यक्ष कुसुमलता पहुंची छठ घाट

छठ महापर्व पर व्रतियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े ने नगर पालिका के इंजीनियर रंजीत बरुआ के साथ छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान घाट की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

'जिले में 1.37 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य; 24,116 किसानों का पंजीयन'

16,551 किसानों को 54.76 करोड़ रुपये कृषि ऋण वितरित, 24 केंद्रों में 15 नवंबर से होगी खरीदी

235 किसानों ने लिया एप्प से टोकन, समिति में कटा 10 किसानों का टोकन

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। जिले में धान कटाई ने रफ्तार पकड़ ली है। किसान खेत-खलिहानों में फसल समेटने में जुटे हैं। वहीं, जिला प्रशासन खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान खरीदी की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। जिले की 21 आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित 24 उपार्जन केंद्रों में 15 नवंबर से खरीदी प्रारंभ होगी। इस वर्ष जिले में 1 लाख 37 हजार 49 मीट्रिक टन धान उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने सभी केंद्रों में खरीदी से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नोडल अधिकारियों को केंद्रों का भौतिक सत्यापन पूर्ण करने के लिए कहा गया है। खरीदी प्रक्रिया एवं दायित्वों के संबंध में नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण 13 नवंबर को होगा। ऑनलाइन टोकन की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हो चुकी है।

जिला खाद्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष धान विक्रय के लिए कुल 24,116 किसान पंजीकृत हैं। इनमें 992 नए किसान शामिल हैं। कुल पंजीकृत रकबा 28,834.67 हेक्टेयर है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 थी। पिछले खरीफ विपणन वर्ष में 23,438 किसान पंजीकृत थे। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में कुल पंजीकृत किसानों की संख्या में 678 की वृद्धि हुई है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अम्बिकापुर के कोरिया प्रक्षेत्र के नोडल कार्यालय के अनुसार, खरीफ वर्ष 2026 में अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य 68 करोड़ रुपये निर्धारित है। इसके विरुद्ध 30 सितंबर 2026 तक 16,551 किसानों को 54.76 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है। यह लक्ष्य का 80.53 प्रतिशत है। पिछले वर्ष कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य 67 करोड़ रुपये था। इसके विरुद्ध 30 सितंबर 2025 तक 15,522 किसानों को 48.86 करोड़ रुपये वितरित किए गए थे, जो लक्ष्य का 72.93 प्रतिशत था। समान अवधि की तुलना में इस वर्ष 1,029 अधिक किसानों को ऋण मिला है तथा वितरण राशि में 5.90 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। कलेक्टर श्रीमती यादव ने पर्याप्त बारदाने के साथ पेयजल, छाया, बैठने और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को खरीदी प्रक्रिया में सतर्कता बरतने तथा किसानों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के निर्देश दिए हैं। अवैध रूप से लाए गए, पुराने तथा अमानक धान के विक्रय पर सख्ती से रोक लगाने को भी कहा गया है।





पिछले वर्ष 20,442 किसानों से खरीदा गया 1.20 लाख मीट्रिक टन धान

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले का धान उपार्जन लक्ष्य 1 लाख 37 हजार 468 मीट्रिक टन था। इसके विरुद्ध 20,442 किसानों से 1 लाख 20 हजार 813.16 मीट्रिक टन धान की वास्तविक खरीदी हुई थी। जिला खाद्य कार्यालय के अनुसार, इन किसानों को 286 करोड़ 20 लाख 63 हजार 760 रुपये से अधिक का भुगतान किया गया था।

15.76 लाख नए एवं पुराने बारदाने उपलब्ध, केंद्रों में आपूर्ति जारी

जिले में धान उपार्जन के लिए लगभग 34.26 लाख बारदानों की आवश्यकता आकलित की गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार, वर्तमान में 7.88 लाख नए और 7.88 लाख पुराने, कुल 15.76 लाख बारदाने उपलब्ध हैं। उपार्जन केंद्रों में नए एवं पुराने बारदानों की आपूर्ति जारी है।

तीन नए केंद्रों से 2,271 किसानों को नजदीक में सुविधा

बड़गांव, मनसुख और पीपरडांड में तीन नए उपार्जन केंद्र खुलने से 2,271 किसानों को नजदीक में धान बेचने की सुविधा मिलेगी। इससे परिवहन में लगने वाले समय और खर्च की बचत होगी। नवीन बड़गांव केंद्र से बड़गांव, कोट, मुड़िझरिया, जामपानी, डुभापानी, बस्ती, नरकेली, देवरी, नरसिंहपुर, मोदीपारा और पतरापाली सहित 11 गांवों के 582 किसान लाभान्वित होंगे। जामपारा समिति के अंतर्गत मनसुख केंद्र से मनसुख, पोटेडांड, पिपरहिया, चिल्का, अमरपुर, टेंगनी, सुरमी, मदनपुर, धरमपुर, रोबो, माटीझरिया और डोहड़ा सहित 12 गांवों के 586 किसानों को सुविधा मिलेगी। पटना समिति के अंतर्गत पीपरडांड केंद्र से पीपरडांड, बरदिया, करहियाखांड, नानभान, कटकोना, पूटा, अंगा, मुरमा और चम्पाझर सहित नौ गांवों के 1,103 किसान लाभान्वित होंगे। इस केंद्र का नाम प्रारंभ में नानभान प्रस्तावित था, जिसे संशोधित कर पीपरडांड किया गया है।

ऑनलाइन टोकन से मिलने लगी सुविधा

मिली जानकारी के अनुसार जिले के 235 से अधिक किसान मोबाइल एप की मदद से ऑनलाइन टोकन अलग अलग तिथियों में धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त किए है, वहीं समिति के माध्यम से 10 से अधिक किसानों ने टोकन कटवाया है।

'खसरा और एग्रीस्टैक की प्रविष्टियों का होगा मिलान'

कलेक्टर ने किसानों के सभी खसरों का एग्रीस्टैक पोर्टल की प्रविष्टियों से मिलान कर समय पर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। रकबे में कमी, खसरा छूटने अथवा फसल की गलत प्रविष्टि जैसी समस्याओं का समय रहते निराकरण करने को कहा गया है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत ग्राम सभाओं के माध्यम से गिरदावरी एवं फसल रकबे का वाचन और प्रमाणीकरण कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी राशन से चना बन्द होने के बाद चावल भी वितरण से गायब : रफीक मेमन

राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न लेने में हो रही परेशानी



छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। पूर्व जनपद सदस्य व कांग्रेस जिला महामंत्री रफीक मेमन ने एक बयान जारी कर कहा कि खाद्य विभाग की राशन वितरण व्यवस्था को लेकर आम उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिले के कुछ राशन कार्डधारियों का राशन भी बंद हो गया है । विशेष रूप से 22760 सीरीज के कई राशन कार्डों में खाद्यान्न का वितरण नहीं हो पा रहा है । इसके अलावा कई राशन कार्डों में परिवार के कुछ सदस्यों के नाम दर्ज होने के बावजूद उनके हिस्से का राशन नहीं मिल रहा है। इसके कारण गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता रफीक मेमन ने अपने बयान में कहा कि लगभग छः माह से सरकारी राशन दुकान से चना गायब होने के बाद अब राशन कार्डधारी जब उचित मूल्य की दुकानों में राशन लेने पहुंचते हैं, तो कभी कार्ड में राशन बंद होने तो कभी परिवार के सदस्यों के नाम पर राशन प्रदर्शित नहीं होने की समस्या सामने आती है। इससे उपभोक्ता परेशान होकर दुकानों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। जिला प्रशासन एवं खाद्य विभाग से मांग है कि 22760 सीरीज के जिन राशन कार्डों का राशन बंद है, उनकी तत्काल जांच कर राशन पुनः चालू कराया जाए। साथ ही जिन राशन कार्डधारियों के परिवार के सदस्यों के नाम पर राशन नहीं मिल रहा है, उनकी समस्या का भी शीघ्र निराकरण किया जाए। गरीब परिवारों को मिलने वाला सार्वजनिक वितरण प्रणाली का राशन उनका अधिकार है। इसलिए विभाग को तकनीकी एवं अन्य त्रुटियों को दूर कर सभी पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि आम जनता को परेशानी न उठानी पड़े।

बिना प्रशिक्षण एवं तकनीकी अभाव वाले युवाओं को लगाया गिरदावरी सर्वे में

धान की जगह उड़द तुमा लौकी आनलाइन कर दी गई किसान परेशान

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। तहसील सोनहत अंतर्गत अधिकांश गांवों में फसल की सही जानकारी सरवैयर के द्वारा नहीं दिया गया धान की जगह दुसरी फसल आन लाइन कर दिया गया फसल गिरदावरी में भारी मात्रा में गलत आन लाइन दर्ज कर दी गई है जिसमें किसान चिंतित एवं परेशान हैं किसी कृषक का तो पुरे रकबे में ही सरवैयर के द्वारा धान की जगह कुछ दुसरी प्रजाति की फसल दर्ज करा दिया गया है जिसमें गांव तेली मुड़ा ओरग ई भैसवार मेन्डा गांवों में भारी मात्रा में फसल जानकारी गलत आन लाइन में दर्ज किया गया है जबकि छत्तीसगढ़ शासन की सबसे महत्कांवाकांक्षी योजना है इस वर्ष लोकल यूवाओ को बिना प्रशिक्षण दिये कोई तकनीकी जानकारी के अभाव में फसल की जानकारी गलत दर्ज हो गई है फसल गिरदावरी का काम पूरा प्रशिक्षण एवं तकनीकी जानकारी के अभाव वाले युवाओं को कराने के कारण कृषकों को फसल एवं रकबा कटौती में भारी पैमाना पर गड़बड़ी सामने आई है इससे किसानों को समर्थन मूल्य पर अपना धान बेचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है प्रशासन भी इस समस्या के निराकरण के लिए अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई जा रही है स्थानीय कृषकों ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों की फसल जानकारी सरवैयर द्वारा गलत दर्ज कराई गई है उसको तत्काल सुधार की व्यवस्था की जाये एवं बिना उत्तर दायित्व वाले सरवैयर के ऊपर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये ऐसे लापरवाह आदमियों को इस महत्वाकांक्षी योजना में बिना प्रशिक्षण तकनीकी जानकारी नहीं होने के कारण किसान को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिला प्रशासन ने हड़ताल पर गए 41 पटवारियों को जारी किया कारण बताओ नोटिस

8 पटवारी निलंबित और 8 पटवारी पर ब्रेक-इन-सर्विस की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। जिले में पटवारियों की हड़ताल को लेकर जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई और तहसीलवार स्थिति की जानकारी सामने आई है। कार्यालय कलेक्टर, भू-अभिलेख शाखा जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा 11 नवम्बर 2026 को जारी जानकारी के अनुसार जिले की छह तहसीलों में कुल 41 पटवारी हड़ताल पर गए थे। प्रशासन द्वारा हड़ताल में शामिल सभी 41 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

वहीं, हड़ताल के दौरान 8 पटवारियों को निलंबित किया गया है तथा 8 पटवारियों के विरुद्ध ब्रेक-इन-सर्विस की कार्रवाई की गई है। जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जिले में पटवारियों के कुल 88 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 52 पद भरे हुए हैं, जबकि 36 पद रिक्त हैं। इस प्रकार जिले में पहले से ही पटवारियों के एक बड़े हिस्से के पद रिक्त होने के कारण राजस्व संबंधी कार्यों के संचालन में चुनौती बनी हुई है। ऐसे में 41 पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से राजस्व सेवाओं पर प्रभाव पड़ने की स्थिति सामने आई है।

प्रशासनिक आंकड़ों में सामने आई कार्रवाई की स्थिति

जिला स्तर पर जारी आंकड़ों के अनुसार हड़ताल पर गए कुल 41 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। हड़ताल के दौरान 8 पटवारियों को निलंबित किया गया, जबकि 11 पटवारी हड़ताल में शामिल नहीं हुए। वहीं, 8 पटवारियों के विरुद्ध ब्रेक-इन-सर्विस की कार्रवाई दर्ज की गई है।

कारण बताओ नोटिस जारी होने के बाद जवाब प्रस्तुत करने वाले पटवारियों की संख्या शून्य तथा हड़ताल प्रारंभ होने से पूर्व निलंबित पटवारियों की संख्या भी शून्य दर्शाई गई है।

तहसीलवार हड़ताल की स्थिति एवं प्रशासनिक कार्रवाई

मनेंद्रगढ़ तहसील में 19 स्वीकृत पदों में से 17 पद भरे हुए हैं और 2 पद रिक्त हैं। यहां 13 पटवारी हड़ताल पर गए, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। हड़ताल के दौरान 2 पटवारियों को निलंबित किया गया, जबकि 4 पटवारी हड़ताल में शामिल नहीं हुए। इसके अलावा 8 पटवारियों के विरुद्ध ब्रेक-इन-सर्विस की कार्रवाई दर्ज की गई है। वहीं खड़गवां तहसील में 15 स्वीकृत पदों में से 8 पद भरे हैं और 7 पद रिक्त हैं। यहां 6 पटवारी हड़ताल पर गए तथा सभी 6 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इनमें से 1 पटवारी निलंबित किया गया, जबकि 2 पटवारी हड़ताल में शामिल नहीं हुए। इसके साथ ही चिरमिरी तहसील में कुल 6 स्वीकृत पदों में से 4 पद भरे हुए हैं और 2 पद रिक्त हैं। यहां 4 पटवारी हड़ताल पर गए और सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। हड़ताल के दौरान 1 पटवारी को निलंबित किया गया है। वहीं केल्हारी तहसील में 13 स्वीकृत पदों में से 7 पद भरे हुए हैं तथा 6 पद रिक्त हैं। यहां 6 पटवारी हड़ताल पर गए, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इनमें से 1 पटवारी निलंबित किया गया, जबकि 1 पटवारी हड़ताल में शामिल नहीं हुआ।

इसके अलावा भरतपुर तहसील में 22 स्वीकृत पदों में से 12 पद भरे हुए हैं और 10 पद रिक्त हैं। यहां 8 पटवारी हड़ताल पर गए तथा सभी 8 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इनमें से 2 पटवारियों को निलंबित किया गया, जबकि 4 पटवारी हड़ताल में शामिल नहीं हुए। वहीं कोटाडोल तहसील में 13 स्वीकृत पदों में से 4 पद भरे हुए हैं और 9 पद रिक्त हैं। यहां 4 पटवारी हड़ताल पर गए तथा सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इनमें से 1 पटवारी को निलंबित किया गया है।

धान खरीदी से पहले कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कछौड़ उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण



छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 15 नवंबर से प्रारंभ होने वाली समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मनेन्द्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कछौड़ के धान उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर खरीदी संबंधी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र में धान की तौल, बारदाने की उपलब्धता, धान के सुरक्षित भंडारण, परिवहन व्यवस्था तथा किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधन को निर्देशित किया कि खरीदी प्रारंभ होने से पूर्व केंद्र में सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर सुश्री जांगड़े ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों से धान खरीदी की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से संचालित की जाए। उपार्जन केंद्र में आने वाले किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा टोकन व्यवस्था के अनुरूप धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने धान की गुणवत्ता जांच, सही तौल और खरीदी से संबंधित अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 को लेकर बैठक हुई सम्पन्न

प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन, दावा-आपत्ति एवं मतदाता जागरूकता अभियान के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (स्स्क्र)-2027 को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन, दावा-आपत्ति, नए मतदाताओं के पंजीयन एवं आगामी निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी लिंगराज सिदार, अनुविभागीय अधिकारी एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 02 मनेंद्रगढ़ के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शशि शेखर मिश्रा सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आशीष सिंह भारतीय जनता पार्टी, रफीक मेमन इंडियन नेशनल कांग्रेस, विशेष सोनी आम आदमी पार्टी, हरिशंकर ताजेन बहुजन समाज पार्टी से और पर्यवेक्षक सतीश द्विवेदी एवं सहायक प्रोग्रामर उपेंद्र कुमार जिला निर्वाचन कार्यालय से उपस्थित रहे।



12 नवंबर से 11 दिसंबर तक लिए जाएंगे दावा-आपत्ति

कलेक्टर ने बताया कि प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त आवेदनों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को होगा। पात्र नागरिक, जो 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे नाम जुड़वाने के लिए प्रारूप-06, नाम विलोपन के लिए प्रारूप-07 तथा नाम, पता एवं अन्य विवरणों में संशोधन अथवा स्थानांतरण के लिए प्रारूप-08 में आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही आगामी अर्हता तिथियों 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं के अग्रिम आवेदन भी प्राप्त किए जा रहे हैं। मतदाता अपना नाम जांचने, नया पंजीयन कराने अथवा संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल https://voters.eci.gov.in. तथा Voter Helpline App के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पुनरीक्षण संबंधी जानकारी एवं दावा-आपत्तियों की सूची जिले की आधिकारिक वेबसाइट https://manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in/en/district-election/? पर भी उपलब्ध रहेगी।

जिले में 2 लाख 97 हजार 880 मतदाता पंजीकृत

कलेक्टर ने बताया कि आज से जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत एवं 02 मनेंद्रगढ़ की प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन सभी निर्धारित मतदान केंद्रों एवं स्थलों पर किया गया है। प्रारंभिक सूची के अनुसार जिले में कुल 2,97,880 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1,48,627 पुरुष, 1,49,247 महिला एवं 06 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में 1,74,230 तथा मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1,23,650 मतदाता दर्ज हैं। जिले में कुल 503 मतदान केंद्र हैं, जिनमें भरतपुर-सोनहत में 322 तथा मनेंद्रगढ़ में 181 मतदान केंद्र शामिल हैं। पुनरीक्षण अभियान के तहत युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जिले में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 3,195 नए युवा मतदाता पंजीकृत हुए हैं। इसके अतिरिक्त जिले में 874 वरिष्ठ नागरिक, 3,670 दिव्यांग मतदाता तथा 304 सेवा निर्वाचक पंजीकृत हैं।

बीएलए की नियुक्ति एवं मतदाता जागरूकता पर जोर

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल एजेंट (क्ब्क्) की नियुक्ति शीघ्र सुनिश्चित करने तथा मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

उत्साह के साथ मनाया गया भाई बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व भाईदूज

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिले सहित आसपास के कोयलांचल क्षेत्रों में भाईदूज का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और आपसी प्रेम के वातावरण में मनाया गया। दीपावली पर्व के बाद आने वाले इस विशेष त्योहार को लेकर घरों में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी सुख समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति स्नेह जताया और हर परिस्थिति में साथ निभाने का संकल्प दोहराया। मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, खोंगापानी, झगराखाण्ड, नई लेदरी, नागपुर, केल्हारी, जनकपुर सहित आसपास के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में भाई दूज पर्व की रौनक देखने को मिली। सुबह से ही घरों में त्योहार की तैयारियां शुरू हो गई थीं। बहनों ने पारंपरिक रीति रिवाजों के अनुसार पूजा की थाली सजाई। इसमें रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और अन्य पूजन सामग्री रखकर भाइयों का तिलक किया। इसके बाद आरती उतारकर उनके उज्ज्वल भविष्य और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की गई। भाईदूज के अवसर पर कई परिवारों में दूर दराज रहने वाले भाई बहन भी एक दूसरे से मिलने पहुंचे। जिन बहनों के भाई दूसरे शहरों में रहते हैं उन्होंने फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। बाजारों में भी त्योहार को लेकर चहल पहल रही। मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही वहीं उपहार और पूजन सामग्री की खरीदारी भी की गई। भारतीय संस्कृति में भाईदूज का पर्व भाई बहन के रिश्ते की आत्मीयता, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक माना जाता है। यह त्योहार केवल तिलक और उपहार तक सीमित नहीं है बल्कि जीवनभर एक दूसरे के सुख दुख में सहभागी बनने और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाये रखने का संदेश भी देता है। कोयलांचल क्षेत्र में भी लोगों ने पारिवारिक एकजुटता और पारंपरिक संस्कारों के साथ इस पर्व को मनाया। त्योहार के चलते पूरे क्षेत्र में खुशियों और अपनत्व का माहौल बना रहा।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा